पटना ● बुधवार, 31 जुलाई 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः200 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

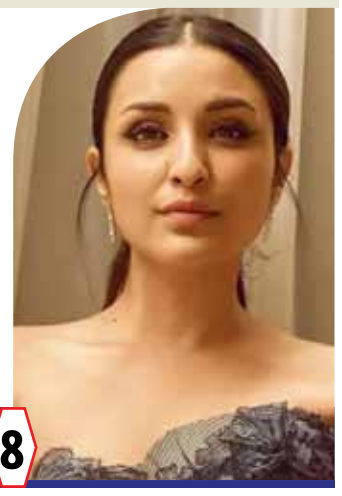

केविवि में शैक्षिक अध्ययन विभाग ... 3 www. bordernewsmirror.com किस बात से परेशान है... 8

सरबजोत का साथ और मनु ने रच दिया इतिहास

पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर ने भारत को दिलाया दूसरा मेडल

एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय जोड़ी मनु भाकर और सरबजोत सिंह ने पेरिस ओलिंपिक में इतिहास रच दिया है। मनु और सरबजोत ने शूटिंग के 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारत के शूटरों ने ली वोन्हो और ओह ये जिन की कोरियाई जोड़ी को हराया। इससे पहले रविवार को मनु भाकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद ओलिंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनी थी, जबकि अब वह एक ही ओलिंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। भारतीय स्टार जोड़ी ने साउथ कोरिया की ली ओन्हो और ओह ये जिन की जोड़ी को 16-10 के बड़े अंतर से हराया। यह भारत के लिए ऐतिहासिक पल है। शूटिंग में इससे पहले किसी शूटर ने दो मेडल नहीं जीते थे, लेकिन मनु ने कमाल कर दिया है। मनु आजादी के बाद एक ही ओलिंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं।

15 अगस्त को बाबुओं का लाल किला पहुंचना जरूरी

● समारोह से गायब रहे तो अब खैर नहीं,होगा सख्त ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम से दूरी बनाने वाले बाबुओं की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। खबर है कि कैबिनेट सचिव ने हाल ही में साफ कर दिया है कि लाल किले पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम से अधिकारियों की गैरमौजूदगी को गंभीरता से लिया जाएगा। भारत इस साल आजादी का 78 वर्ष मनाने जा रहा है। अंग्रेजी की सदियों तक गुलामी के बाद देश को 15 अगस्त 1947 में आजादी मिली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कार्यक्रम में मौजूद रहने को लेकर कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने सभी सचिवों को पत्र लिखा है। इसमें सभी अधिकारियों की कार्यक्रम में मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

सीबीआई की चार्जशीट, केजरीवाल की बढ़ी टेंशन!

दिल्ली शराब घोटाले में सीएम पर लगाए गंभीर आरोप, दुर्गेश पाठक समेत 23 आरोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति से जुड़े कथित घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किल बढ़ने वाली हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ 2021-22 की शराब नीति में भ्रष्टाचार की जांच पूरी कर ली है। इसके साथ ही केंद्रीय जांच एजेंसी ने आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। केंद्रीय जांच एजेंसी की तरफ से पांचवें और अंतिम आरोप पत्र में राजेंद्र नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक दुर्गेश पाठक, बिजनेसमैन पी शरत रेड्डी, विनोद चौहान और व्यवसायी अमित अरोड़ा और आशीष माथुर शामिल का नाम शामिल है। दुर्गेश पाठक साल 2022 में गोवा विधानसभा चुनावों के लिए प्रभारी थे। वहीं, शरत रेड्डी ईडी की समानांतर जांच में सरकारी गवाह हैं और उन्हें क्षमादान दिया गया है। नए आरोप-पत्र में सीबीआई ने पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और के. कविता सहित 23 व्यक्तियों पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, आपराधिक षड्यंत्र और धोखाधड़ी के तहत आरोप लगाए हैं। सीबीआई ने कहा कि केजरीवाल आपराधिक षड्यंत्र (शराब नीति मामले में) के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक के रूप में सामने आए हैं। केजरीवाल के करीबी विजय नायर आबकारी नीति में प्रावधान शामिल कर रहे थे।

जिसे जाति का पता नहीं, वे जाति-जनगणना चाहते हैं

● लोकसभा में बोले अनुराग ठाकुर, राहुल का जवाब-मुझे गाली दी

● राहुल बोले-माफी नहीं चाहिए, जाति जनगणना पास कराकर रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि आपके बोलने के लिए पर्ची आती है। उधार की बुद्धि से राजनीति नहीं चलती। आजकल कुछ लोगों पर जाति जनगणना का भूत सवार है। जिसको जाति का पता नहीं, वो जाति जनगणना कराना चाहते हैं। इस पर विपक्ष के कई सांसद वेल में आ गए। उन्होंने अनुराग ठाकुर को माफी मांगने को कहा। राहुल गांधी ने कहा कि जो भी इस देश में दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों की बात उठाता है, उसको गाली खानी

ही पड़ती है। मैं ये सब गालियां खुशी से खाऊंगा। महाभारत में अर्जुन को सिर्फ मछली की आंख दिख रही थी, मुझे भी मछली की आंख दिख रही है। हम जाति जनगणना कराएंगे। अनुराग ठाकुर जी ने मुझे गाली दी है, लेकिन मुझे उनसे कोई माफी नहीं चाहिए। मैं लड़ाई लड़ रहा हूं, मुझे उनसे माफी नहीं चाहिए। इससे पहले, लोकसभा में अखिलेश यादव ने कहा- मेक इन इंडिया के नाम पर यूपी को सिर्फ प्रधानमंत्री ही मिले हैं। कोई बड़ा प्रोजेक्ट नहीं मिला। 10 साल बाद भी हम वहीं के वहीं खड़े हैं। इससे पहले एएपी सांसदों ने दिल्ली के एलजी को बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने संसद के बाहर प्रदर्शन किया। विपक्ष के काफी सांसदों ने कोऑपरेटिव फेडरिज्म को लेकर सवाल उठाए। मैं कहना चाहती हूं कि बजट में अगर किसी राज्य का नाम नहीं लिया गया तो इसका मतलब ये नहीं है कि उसे विकास के लिए पैसा नहीं मिलेगा। दो दशक के बाद ट्राइबल लोगों को फॉरेस्ट राइट्स दिए गए हैं। घूमंतू प्रजातियों को भी कई सुविधाएं दी गई हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि साल 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए हमें मिलकर काम करना होगा। अखिलेश बोले-यूपी सरकार ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे बनाया था वह क्षतिग्रस्त है।

केरल के वायनाड में लैंडस्लाइड, 114 की मौत

● आधी रात को मौत ने मचाया तांडव, 400 लोग लापता, 4 गांव बहे ● सेना बुलाई गई, बारिश की वजह से एयरफोर्स का हेलीकॉप्टर लौटा

वायनाड/नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के वायनाड में तेज बारिश की वजह से सोमवार देर रात 4 अलग-अलग जगहों पर लैंडस्लाइड हुई। इसमें 4 गांव बह गए। घर, पुल, सड़कें और गाड़ियां भी बह गईं। अब तक 114 लोगों की मौत हो चुकी है। 116 अस्पताल में हैं, जबकि 400 से ज्यादा लोगों के लापता होने की खबर है। घटना देर रात 2 बजे की है। रेस्क्यू के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम मौके पर मौजूद है। कन्नूर से आर्मी के 225 जवानों को वायनाड के लिए रवाना किया गया है। इसमें मेडिकल टीम भी शामिल है। इसके अलावा एयरफोर्स के 2 हेलिकॉप्टर भी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए भेजे गए हैं। हालांकि बारिश की वजह से दोनों हेलीकॉप्टर को कोझिकोड लौटना पड़ा। वायनाड के 4 गांव- मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा में लैंडस्लाइड की घटना हुई है। 5 साल पहले 2019 में भी भारी बारिश की वजह से इन्हीं गांवों में लैंडस्लाइड हुई थी, जिसमें 17 लोगों की मौत हुई थी। 5 लोगों का आज तक पता नहीं चला। 52 घर तबाह हुए थे। वायनाड का मुंडक्कई गांव लैंडस्लाइड की वजह से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां रेस्क्यू टीम अब तक नहीं पहुंच सकी है। एनडीआरएफ की एक टीम पैदल चलते हुए यहां तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। मुंडकाई में करीब 250 लोगों के फंसे होने की खबर है। यहां कई घर बह गए है। यहां 65 परिवार रहते थे। यहीं पास के एक टी एस्टेट के 35 कर्मचारी भी लापता हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष समशाद मरईक्कर ने बताया कि मुंडक्कई सड़क मार्ग से पहुंचा नहीं जा सकता है। मोबाइल नेटवर्क भी ठप है। चूरलमाला गांव में भी नुकसान ज्यादा है। यहां रेस्क्यू जारी है। यहां कई घर बह गए हैं। कई लोगों को बचाया गया हैं, जिनमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल थे। ये एक होमस्टे में रुके थे। यहां रेस्क्यू टीम एक-एक घरों की जांच कर रही है। पुलिस ने कहा है कि नदी से और शव निकाले जा रहे हैं। कई घर, दुकानें और वाहन मलबे में दबे हुए हैं। घटनास्थल पर जाने वाला एक पुल तक बह गया है। इन सब हालात के बीच बचाव कार्य बहुत ज़्यादा मुश्किल हो गया है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने आश्वासन दिया है कि अस्थायी पुल बनाने, हेलीकॉप्टर से लोगों को निकालने और आपदा स्थल पर आवश्यक व्यवस्था करने के लिए सेना की सहायता ली जाएगी, जिससे राह आसान हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर संभव मदद भेजने का आश्वासन दिया है।

दिल्ली के कोचिंग सेंटर में हादसे के बाद योगी सरकार सख्त

यूपी में बेसमेंट का किया गया इस्तेमाल तो होगा सख्त ऐक्शन

लखनऊ (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में पानी भरने से हुई तीन छात्रों की मौत के हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है।

इस घटना के बाद अब एमसीडी जहां दिल्ली में बेसमेंट में कोचिंग चलाने वाले संस्थानों पर कार्रवाई कर रही है। दूसरी ओर घटना से सबक लेते हुए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार सख्त हो गई है। यूपी में अब किसी और काम के लिए स्वीकृत बेसमेंट को दूसरे प्रयोग पर कार्रवाई होगी। यूपी सरकार के आदेश के बाद बिना स्वीकृति के बने बेसमेंट के इस्तेमाल पर अब ऐक्शन लिया जाएगा। आदेश के मुताबिक बेसमेंट के निरीक्षण के लिए प्राधिकरण स्तर पर टीमें गठित होंगी। बेसमेंट में कोई अप्रिय घटना होने पर अफसर जिम्मेदार होंगे। सरकार ने अवैध रूप से बेसमेंट की खुदाई रोकने के निर्देश भी दिए हैं। आदेश के मुताबिक स्वीकृत मानचित्र के अनुसार ही बेसमेंट का प्रयोग किया जा सकेगा। बेसमेंट के इस्तेमाल और स्वीकृति से जुड़े ये सारे निर्देश अपर मुख्य सचिव आवास ने जारी किए हैं।

चंद्रमा पर 9 साल में 35000 बार आए भूकंप!

● 50 साल पुराने डेटा में नया खुलासा, नासा के वैज्ञानिक भी हैरान

टोक्यो (एजेंसी)। चंद्रमा को लेकर एक बड़ी खोज सामने आई है। दशकों पुराने अपोलो मिशन डेटा की समीक्षा के जरिए पहले नजरअंदाज किए गए हजारों चंद्रमा भूकंपों का संकेत मिला है। यह खुलासा चंद्रमा और भविष्य के मानव मिशनों के लिए तैयारी में काम आ सकता है। यह परीक्षण टोक्यो यूनिवर्सिटी के ग्रह भूकंप विज्ञानी कीसुके ओनोडेरा द्वारा किया गया है, जिन्हें 20000 चंद्रमा भूकंपों के प्रमाण मिले। ओनोडेरा ने 5 जुलाई को जर्नल ऑफ जियोफिजिकल रिसर्च प्लैनेट्स में कहा, चंद्रमा पर अधिक टेक्टोनिक घटनाएं हुई हैं। यह पहले की तुलना में अधिक टेक्टोनिक रूप से सक्रिय है। साइंस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक 1960 से 1970 के दशक तक चंद्रमा पर उतरने वाले अपोलो मिशन अपने साथ दो प्रकार के भूकंपमापी यंत्र ले गए थे। भूकंपमापी में से एक चंद्रमा की सतह के अंदर से पैदा होने वाली लंबी भूकंपीय तरंगों को माप सकता है और दूसरा छोटी भूकंपीय तरंगों का पता लगा सकता है जो अधिक ऊर्जा ले जाती हैं या चंद्रमा की सतह के करीब होती हैं।

झारखंड में मालगाड़ी से टकराई हावड़ा-मुंबई मेल

18 डिब्बे पटरी से उतरे, अब तक 2 की मौत, 20 घायल

जमशेदपुर (एजेंसी)। झारखंड के जमशेदपुर में मंगलवार सुबह 3.43 बजे 12810 मुंबई-हावड़ा मेल पहले से डिरेल हुई मालगाड़ी से टकरा गई। घटना के बाद मेल की 18 बोगियां पटरी से उतर गईं। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। पैसेंजर ट्रेन का इंजन डिरेल हुई मालगाड़ी की बोगी से टकराया। इसके बाद ट्रेन के 18 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसा राजखरसवां और बड़ाबाम्बो के बीच हुआ। रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख का मुआवजा देना का ऐलान किया है।

अखिलेश यादव भी हो गए योगी के बुलडोजर मॉडल के मुरीद!

कोचिंग सेंटर में तीन छात्रों की मौत मामले में किया योगी के बुलडोजर का जिक्र

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव का ताजा बयान खासी चर्चा में है। अखिलेश यादव ने सोमवार को बजट पर चर्चा के दौरान राव कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में तीन यूपीएससी एस्पिरेंट्स के डूबकर मौत का मामला उठाया। इस दौरान वे यूपी के बुलडोजर एक्शन का जिक्र किया। अखिलेश यादव के भाषण को यूपी में योगी सरकार के बुलडोजर एक्शन की तारीफ के तौर पर देखा जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि अखिलेश यादव सीएम योगी आदित्यनाथ के बुलडोजर कार्रवाई की तारीफ कर रहे हैं। हालांकि, यूपी के राजनीतिक मैदान में अखिलेश लगातार सीएम योगी के बुलडोजर एक्शन पर सवाल उठाते रहे हैं। चुनावी भाषणों में इसको लेकर गंभीर आरोप लगाते रहे।

हालांकि, अब उनके बयान की खासी चर्चा हो रही है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राव कोचिंग सेंटर हादसे को दर्दनाक घटना बताते हुए है। उन्होंने संसद में कहा कि यह एक दर्दनाक घटना है।

एमपी में 'लाडली बहना' को नया तोहफा

● अब आधी कीमत में मिलेगा एलपीजी सिलेंडर ● रक्षाबंधन से ठीक पहले मोहन सरकार ने मोहा मन

भोपाल (एजेंसी)। रक्षाबंधन से ठीक पहले मध्य प्रदेश सरकार ने 'लाडली बहनों' को बड़ा तोहफा दिया है। 'लाडली बहना' योजना की लाभार्थी महिलाओं को अब 450 रुपए में गैस सिलेंडर मिलेगा। अभी मध्य प्रदेश गैस सिलेंडर 848 रुपए का है, इस लिहाज से करीब आधी कीमत ही उन्हें चुकानी होगी। प्रति सिलेंडर 399 रुपए का खर्च राज्य सरकार की ओर से उठाया जाएगा। मंगलवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस फैसले पर मुहर लगा दी गई। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट बैठक के बाद इसकी सूचना दी। उन्होंने कहा, लाडली बहना योजना के तहत हमने फैसला किया है कि इस योजना की सभी लाभार्थियों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर दें।

कर्नाटक सरकार में होगा बड़ा फेरबदल! शुरू हुई तैयारी

● दिल्ली में महामंथन, डीके शिवकुमार पर भी हो सकता है फैसला

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के बाद से बीजेपी कांग्रेस सरकार पर ज्यादा ही हमलावर है। बीजेपी और जेडीएस के विपक्ष से निपटने के लिए दिल्ली में मंगलवार को महामंथन होने वाला है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ होने वाली बैठक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी शामिल होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य कई सीनियर नेता आगे की रणनीति तय करेंगे। जानकारी के मुताबिक कर्नाटक सरकार में बड़े फेरबदल पर भी फैसला किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कर्नाटक सरकार में कुछ मंत्रियों के पोर्टफोलियो में भी परिवर्तन किया जा सकता है। मंत्रिमंडल में बदलाव की चर्चा काफी दिनों से चल रही है। महर्षि वाल्मीकि एसटी डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन के 84 करोड़ से ज्यादा रुपये के अवैध ट्रांसफर को लेकर ईडी कार्रवाई कर रही है। इस जांच में विधायक बी नागेंद्र की गिरफ्तारी हो चुकी है और उन्हें हटा दिया गया है।

नालंदा में निकाली गई अग्नि सुरक्षा जागरूकता रैली: दमकल की छोटी-बड़ी गाड़ियां हुई शामिल

आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए तैयारी

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में मंगलवार की सुबह बिहार अग्निशमन सेवा द्वारा एक महत्वपूर्ण अग्नि सुरक्षा जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली बिहार अग्निशमन सेवा कार्यालय नालंदा से प्रारंभ होकर बिहारशरीफ के प्रमुख स्थानों जैसे काली चौराहा, हॉस्पिटल मोड़, मोगलकुआं और सोहसराय से होते हुए विभिन्न चौक-चौराहों से गुजरती हुई फिर अग्निशमन कार्यालय पहुंची। सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी अरविंद प्रसाद ने इस अवसर पर बताया कि यह जागरूकता रैली आम जनता को अग्नि सुरक्षा के प्रति सचेत करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। हमारा मानना है कि थोड़ी सी सतर्कता से बड़ी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। रैली के दौरान विभाग द्वारा लोगों को यह भी बताया कि आग लगने की स्थिति में वे कैसे खुद को सुरक्षित रख सकते हैं और इससे कैसे बचाव कर सकते हैं। इस जागरूकता अभियान में अग्निशमन विभाग की छोटी-बड़ी गाड़ियां भी शामिल रहीं, जो आकर्षण का केंद्र बनीं।

आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए रहें तैयार

अधिकारियों ने यह भी बताया कि आग लगने की स्थिति में तुरंत 101 पर डायल करें या राज्य नियंत्रण कक्ष को 7485805818 पर सूचित करें। यह जागरूकता अभियान अग्निशमन विभाग की ओर से एक सराहनीय कदम है, जो न केवल लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति सचेत करता है। बल्कि उन्हें आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए तैयार भी करता है। ऐसे प्रयासों से आशा की जाती है कि भविष्य में अग्नि संबंधित दुर्घटनाओं में कमी आएगी और जन-धन की हानि को रोका जा सकेगा।

कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए

1. नेशनल बिल्डिंग कोड और बिहार बिल्डिंग उपविधि के अनुरूप भवन निर्माण।
2. अग्नि सुरक्षा उपायों के लिए अग्निशमन सेवा के कर्मियों से परामर्श।
3. भवन के चारों ओर अग्निशमन वाहनों के लिए रास्ता खाली रखना।
4. आई.एस.आई. मानक वाले तार और उपकरणों का उपयोग।
5. अग्नि सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच।
6. रसोई गैस के सुरक्षित उपयोग पर ध्यान।
7. भवन के प्रवेश, निकास और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का मैप प्लान तैयार करना।

आग से सुरक्षा...

शेखपुरा में निकली जन जागरूकता रैली

अग्निशामकों ने सावधानियां बरतने की लोगों से की अपील, अग्निशमन पदाधिकारी ने दिखाई हरि झंडी

शेखपुरा, एजेंसी। शेखपुरा में मंगलवार की सुबह अग्निशमन कार्यालय से आग से सुरक्षा को लेकर जन जागरूकता रैली निकाली गई। अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी विनोद कुमार सिंह ने स्टेशन रोड स्थित कार्यालय परिसर से जन जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर विदा किया। इस मौके पर अग्निशमन विभाग के दर्जनों अग्निशामकों के अलावा अन्य शामिल थे।

जन जागरूकता रैली में विभाग के दर्जन भर छोटे-बड़े दमकलों को भी शामिल किया गया था। जन जागरूकता रैली में अग्निशमन विभाग के अग्निशमन कर्मियों और पुलिस बलों में चितरंजन कुमार ,सत्येंद्र कुमार यादव, अनिल कुमार गुप्ता, रवि रंजन कुमार सहित अन्य शामिल थे।

शहर के रेलवे स्टेशन रोड से जागरूकता रैली में शामिल लोग शहर के जखराज स्थान , गिरिहिडि चौक, बुधौली चौक, बाईपास रोड , श्यामा सरोवर पार्क , भगवती चौक , वीआईपी रोड, चांदनी चौक, कटरा चौक ,खांड पर, पटेल चौक होते पुनः अग्निशमन शमन कार्यालय वापस पहुंचे। जहां रैली समाप्त हुई। रैली में शामिल लोग आम नागरिकों से अगलगी से बचाव को लेकर सावधानियां बरतने की अपील कर रहे थे।

अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी विनोद कुमार सिंह ने लोगों से खासकर रसोई गैस, बिजली की शॉट सर्किट और कूड़ा-करकट से घरों तथा संस्थानों में लगने वाले आग से बचाव के लिए लोगों से सावधानियां बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी असावधानी के कारण अगलगी की घटना में लाखों की संपत्ति जलकर बर्बाद हो जाती है।

जबकि जान माल की भी क्षति होती है। उन्होंने इस पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से उसके बचाव के लिए सावधानी बरतने की बात कही। साथ ही उसके बचाव के संसाधनों को अपने घरों और संस्थानों में अवश्य रखें। ताकि ऐसी भीषण आपदा से बचा जा सके।

बाबा गणिनाथ गोविंद पूजनोत्सव की तैयारी को लेकर बैठक

मुजफ्फरपुर, एजेंसी।

रेवा रोड पोखरैरा स्थित प्रसिद्ध बाबा गणिनाथ गोविंद जी महाराज के पूजनोत्सव को लेकर मंदिर परिसर में रविवार को रामबाबू शिवा साह की अध्यक्षता में बैठक हुई। रामनाथ साह ने बताया कि बाबा का 30 अगस्त को नेवतन, 31 अगस्त को पूजन महोत्सव, प्रसाद वितरण व भंडारा का आयोजन होगा। भक्त कृष्णा देवी ने बताया कि सच्चे मन से जो भी श्रद्धालु बाबा का ध्यान व पूजा अर्चना रते हैं उनकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

मौके पर विजय साह, सोनू कुमार गुप्ता, रामनाथ गुप्ता, गौरीशंकर गुप्ता, राहुल गुप्ता, कुमुद गुप्ता, नागेंद्र साह, राज मंगल साह, संजीव कुमार गुप्ता, ओम प्रकाश, वरुण कुमार ठाकुर, रोहित गुप्ता, अवध कुमार गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, श्रीकांत कुमार, संतोष कुमार, संजय समदर्शी, आनंदी साह, विनय साह, बालाजी, अनिल कुमार सहनी, सुरेश प्रसाद साह, रितेश कानू , अशोक साह, राजू कुमार, महेश साह मौजूद थे।

7.5 क्विंटल चावल से बाबा गरीबनाथ का महा श्रृंगार कोलकाता से मंगाया गया चांदी का मुकुट

पूर्णिमा को बर्फ से बनाया जाता है शिवलिंग

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। उत्तर बिहार के देवघर कहे जाने वाले बाबा गरीबनाथ धाम में सावन महीने की दूसरी सोमवारी पर बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ जुटी। रात तक भोलेनाथ पर जल चढ़ाया गया। वहीं, सोमवार की रात बाबा गरीबनाथ का विशेष फल-फूल और 7.5 क्विंटल चावल से महा श्रृंगार किया गया। इसके बाद बाबा की महाआरती की गई। कोलकाता से बाबा का चांदी का मुकुट मंगाया गया है। ये प्रत्येक सोमवार को महा श्रृंगार में लगेगा। महा आरती में शामिल होने के लिए डीडीसी और अन्य हजारों की संख्या में शिव भक्त माजूद थे। बाबा के महा श्रृंगार को देखकर भक्त मंत्रमुग्ध हो गए। जय भोलेनाथ, बोल बम, बम बम भोले के नारे के साथ महा आरती की गई। इसके बाद बाबा को विशेष भोग लगाया गया।

हर सोमवारी में होता है अलग-अलग श्रृंगार

मंदिर के महंत अभिषेक पाठक ने बताया कि सावन कि दूसरी सोमवारी के उपलक्ष्य में फूल, फल और 7.5 क्विंटल चावल से बाबा गरीबनाथ का महा-श्रृंगार हुआ है। सबसे पहले दूध, दही, शक्कर और घी से स्नान करा कर इसके बाद चंदन का लेप लगाया गया। बाबा गरीबनाथ का श्रृंगार हर सोमवारी को अलग-अलग ढंग से होता है। एक प्रचलन बाबा गरीबनाथ के मंदिर से होता है, जो पूरे बिहार में फैलता है।

पूर्णिमा के दिन बर्फ से बनते हैं शिवलिंग

पहले बाबा बैद्यनाथ से होता था। अब बाबा गरीबनाथ से होता है। पहले सोमवारी को फूल, दूसरे सोमवारी को चावल, तीसरे सोमवारी को फल, चौथे सोमवारी को पान के पत्ता से श्रृंगार होता है। पूर्णिमा के दिन बर्फ से शिवलिंग बनाया जाता है। जो श्रद्धालु अमरनाथ नहीं जा पाते हैं, वो यहां बाबा को इस रूप से देख सकते है।

छपरा की एक बिल्डिंग में 4 घंटे हुई छापेमारी: हथियार और जिंदा कारतूस जब्त

छपरा, एजेंसी। छपरा में जिला पुलिस और बिहार एसटीएफ ने नगर थाना क्षेत्र के प्रभुनाथ नगर कदम चौक पर एक बिल्डिंग में 3 घंटे तक तलाशी ली, जिसमें हथियार बरामद हुआ है। हालांकि अपराधी भाग गए। चार घंटे तक पूरे घर की तलाशी ली गई है। इस दौरान मुख्य सड़क पर भीड़ और अफरा-तफरी का माहौल रहा। रविवार की देर रात तक सर्च अभियान चला, लेकिन पुलिस द्वारा कुछ भी जानकारी नहीं दी गई। आज पुलिस द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए मामले को जानकारी दी है। कदम चौक पर भारी सांख्य में पुलिस को देख सभी लोग भौंचक रह गए। एसटीएफ और जिला पुलिस द्वारा देर शाम तक चार तल्ला बिल्डिंग में सर्च अभियान चलाया गया।

इस दौरान एसटीएफ द्वारा पूरे क्षेत्र में घेराबंदी की गई थी। बिहार एसटीएफ को मिली जानकारी के अनुसार छपरा नगर थाना क्षेत्र के प्रभुनाथ नगर कदम चौक और टारी गांव के कुछ घरों में भारी संख्या में हथियार रखे गए है। जिसको लेकर एसटीएफ और जिला पुलिस द्वारा कदम चौक स्थिति नितेश सिंह के आवास पर छापेमारी कर सर्च अभियान चलाया। इस दौरान एक पिस्टल, एक देशी कांटा और 23 जिंदा कारतूस बरामद किए गए है। हालांकि किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी नही हुई है। इस मामले में पुलिस आरोपी नितेश सिंह को तलाश रही है। प्रेस रिलीज के माध्यम से जानकारी देते हुए एसपी कुमार आशीष ने बताया कि हर्ष फायरिंग और अवैध हथियार के विरुद्ध सारण पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 28 जुलाई को नगर थाना पुलिस को सूचना मिली कि नगर थाना अंतर्गत सा0-प्रभुनाथ नगर कदम चौक स्थित अविनाश सिंह उर्फ नितेश सिंह, पिता-केदार सिंह अपने घर मे अवैध हथियार छुपा कर रखा है।

शिक्षिका पर छात्र की बेरहमी से पिटाई का आरोप

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मनियारी थाना क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका के द्वारा पांचवीं के एक छात्र की बेरहमी से पिटाई का मामला प्रकाश में आया है। बच्चे को परिजन पहले सदर अस्पताल में इलाज कराए, उसके बाद चिकित्सक ने एसकेएमसीएच रेफर कर दिया है। घटना शुक्रवार दिन की बताई जा रही है। इधर, घटना के चार दिन बाद तक कहीं लिखित शिकायत नहीं की गयी है। कुढ़नी बीईओ मिंटू कुमारी एवं मनियारी थानाध्यक्ष देव्रत कुमार से बात करने पर घटना से अनभिज्ञता जताई। कहा कि अबतक हमारे पास न लिखित और न मौखिक शिकायत मिली है। घटना के बाद एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें शिक्षिका मामले को बेबुनियाद बता रही हैं। वहीं, छात्र की मां का आरोप है कि जानबूझ कर उनके पुत्र की पिटाई की गई है।

दिल्ली कोचिंग हादसे की शिकार तान्या का औरंगाबाद में अंतिम संस्कार

औरंगाबाद , एजेंसी। दिल्ली में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन स्टूडेंट्स की डूबकर मौत हो गई। इनमें से एक छात्रा 24 वर्षीय तान्या उर्फ तनु का शव एंबुलेंस के जरिए बिहार के औरंगाबाद जिले में स्थित नवीनगर लाया गया। नवीनगर के मस्जिद मुहल्ला में तान्या का पैतृक घर है। सोमवार को जैसे ही उसका शव पहुंचा, मोहल्ले में कोहराम मच गया। मृतका की मां बबली देवी रो-रोकर बेहाल हो गईं। पिता विजय सोनी, चाचा अवधेश सोनी, दादा गोपाल प्रसाद सोनी का भी बुरा हाल था। स्थानीय लोगों ने परिजन को ढाढ़स बंधाकर उन्हें शांत कराया। इसके बाद शव को दाह संस्कार के लिए श्मशान घाट ले जाया गया। दादा गोपाल प्रसाद ने तान्या के शव को मुखाग्नि दी। इस बीच घर पर लोगों का आना-जाना लगा रहा। यहां मौजूद हर शख्स की आखें गमगीन हो गईं। परिजन ने बताया कि तान्या की इंटर की पढ़ाई तेलंगाना में हुई थी, जहां उसके पिता विजय सोनी बतौर इंजीनियर कार्यरत हैं। इंटर के बाद वह दिल्ली चली गई। दिल्ली में उसने महाराजा अग्रसेन कॉलेज से ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई की। परिवार वालों के मुताबिक तान्या मेधावी छात्रा थी। उसकी इच्छा आईएएस बनने की थी। यूपीएससी की तैयारी के लिए उसने राव कोचिंग सेंटर में नामांकन कराया था। इससे पहले वह दिल्ली के लक्ष्मी नगर में एक पीजी में रहती थी। वह रोजाना कोचिंग पढ़ने जाती थी। शनिवार को जब कोचिंग गई तो हादसे का शिकार हो गई। परिजन ने बताया कि उन्हें शनिवार रात 10 बजे घटना की जानकारी मिली। तान्या रोज अपने माता-पिता से फोन पर बात करती थी, लेकिन उस दिन उसकाकॉल नहीं आया। जब परिजन ने कॉल किया तो स्विच ऑफ बता रहा था। उस वक्त विजय कुमार और बबली देवी इलाहाबाद में थे, जैसे ही उन्हें बेटी की मौत की खबर मिली, वहीं से दिल्ली चले गए।

दिल्ली कोचिंग हादसे के बाद बिहार में हड़कंप, पटना के 20 हजार सेंटर की जांच शुरू : परिजन ने आरोप लगाया कि इस घटना के बाद कोचिंग संस्थान के किसी भी व्यक्ति ने उनसे संपर्क नहीं किया। पता चला कि उन्हें लगभग एक लाख रुपये फीस जमा करनी थी। कुछ पैसे जमा करा दिए गए थे और तान्या पढ़ने जा रही थी। करीब एक महीने से वह लगातार कोचिंग सेंटर जा रही थी। घटना के बाद कोचिंग प्रबंधन के स्तर से परिजन को कोई सहयोग नहीं किया गया। परिवार वालों ने अपने स्तर पर ही एंबुलेंस की व्यवस्था की और तान्या के शव को नवीनगर लेकर आए।

बिना प्रस्वीकृति संचालित निजी स्कूलों पर लगेगा जुर्माना, होगी एफआईआर

भागलपुर, एजेंसी। अब बिना प्रस्वीकृति के जिले में संचालित निजी स्कूलों पर जुर्माना लगेगा और संचालक पर एफआईआर भी की जाएगी। इसको लेकर जिला शिक्षा विभाग ने तैयारी कर ली है। इस कार्रवाई से बचने के लिए जिला शिक्षा विभाग ने बिना प्रस्वीकृति व नवीनीकरण कराए जिले के 85 निजी स्कूलों को ई-संबंधन पोर्टल पर 10 अगस्त तक आवेदन करने की मोहलत दी है। इस तिथि के बाद ऐसे स्कूलों पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना या निर्धारित तिथि के बाद भी स्कूल संचालित करने पर 10 हजार रुपये प्रतिदिन के हिसाब के जुर्माना लगाया जाएगा। इसको लेकर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (एसएसए) मो. जमाल मुस्तफा ने सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी तथा निजी स्कूलों के प्राचार्य व निदेशकों को निर्देश दिया है। दरअसल, बच्चों को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकारी अधिनियम के तहत निजी स्कूलों की प्रस्वीकृति का प्रावधान किया गया है। ताकि इन स्कूलों में भी तय सीटों पर गरीब बच्चों को पढ़ाया जा सके। डीपीओ ने सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को ऐसे निजी स्कूलों के प्रबंधक-संचालकों के साथ बैठक कर प्रस्वीकृति के लिए 10 अगस्त तक ई संबंधन पोर्टल पर आवेदन कराने का निर्देश दिया है। साथ ही जिले में संचालित सरकारी व गैर सरकारी व निजी समेत सभी तरह के अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा एक से 12वीं तक में पढ़ रहे बच्चों का आधार नंबर समेत ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर 31 जुलाई तक प्रविष्टि पूरी करने का निर्देश भी डीपीओ ने दिया है।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

केविवि में शैक्षिक अध्ययन विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षिक अध्ययन विभाग, शिक्षा संकाय द्वारा "वर्तमान भारतीय शिक्षा में महात्मा गाँधी जी के विचारों का अनुशीलन" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर के मुख्य वक्ता प्रोफेसर उमेश चन्द्र वशिष्ठ (पूर्व विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय, पूर्व सदस्य, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली) थे। इस व्याख्यान में मुख्य भूमिका में विभागाध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार, प्रोफेसर आनन्द प्रकाश (अध्यक्ष, राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन समिति), प्रोफेसर सुनील महावर (संकायाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान विभाग), और प्रोफेसर रंजीत कुमार चौधरी (संकायाध्यक्ष, संगणक विज्ञान एवं सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी) ने निभाई। मुख्य वक्ता प्रोफेसर उमेश चन्द्र वशिष्ठ ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार "आशा की किरण" के रूप में उभरा है जो गाँधी जी के विचारों को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने बताया कि हमें उन सभी बिन्दुओं पर चिंतन करते हुए कार्य करना होगा जो राष्ट्र निर्माण में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने गुरुकुल व्यवस्था तथा विभिन्न शिक्षा समितियों पर भी प्रकाश डाला और कहा कि भारतीय शिक्षा में सुधार के लिए नियम और योजना तो पहले से ही बनाये गए हैं, अब समय आ गया है कि उनका क्रियान्वयन पूर्ण रूप से हो। प्रोफेसर सुनील महावर ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य चहुँमुखी विकास करना है तथा इसके लिए तकनीकी ज्ञान के अतिरिक्त सामाजिक ज्ञान का होना भी आवश्यक है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर आनन्द प्रकाश ने कहा कि महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी चंपारण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर कार्य कर रहा है जो विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में पूर्ण रूप से सहायक होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के आचार्य जैसे प्रो. शिरीष मिश्रा, प्रो. सुनील श्रीवास्तव, डॉ. जुगल दधीच, डॉ. सरिता तिवारी, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. मधु पटेल, डॉ. रामलाल, डॉ. अभय विक्रम सिंह, डॉ. उपमेश तलवार, डॉ. अनुपम वर्मा, डॉ. पथलोथ ओमकार एवं बड़ी संख्या में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीषा रानी, सहायक आचार्या, शैक्षिक अध्ययन विभाग, शिक्षा संकाय द्वारा किया गया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, कार्यक्रम संयोजिका व सहायक आचार्या, शैक्षिक अध्ययन विभाग द्वारा दिया गया।

विश्व मानव व्यापार निषेध दिवस कार्यशाला का हुआ आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

विश्व मानव व्यापार निषेध दिवस के अवसर पर प्रयास जुवेनाइल एड सेन्टर एवम न्याय नेटवर्क परियोजना डंकन अस्पताल, रक्सौल व जिला विधिक सेवा प्राधिकर के सहयोग से जिला विधिक सेवा प्राधिकर, मोतिहारी सभागार में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिला एवम सत्र न्यायाधीश देवराज त्रिपाठी, सीजीएम व्यवहार न्यायालय मनीष कुमार उपाध्याय, एडीजे मुकुंद कुमार, सुशांत कुमार, बृजेश कुमार, राकेश कुमार तिवारी, आरएन सिंह, एलएन त्रिपाठी, अरुण कुमार सिन्हा,एसीजीएम रंजन कुमार, हेमंत कुमार, सचिव राजेश कुमार दुबे जिला विधिक सेवा प्राधिकर चम्पारण, जेएम नेहा नायर, गौरव सिंह, मिस सांभवी, अनीश कुमार प्रभात, जिसका उद्देश्य मानव व्यापार (ट्रेफिकिंग) रोक थाम एवम बाल यौन शौषण (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण) को लेकर प्रयास संस्था द्वारा एक विशेष कार्यक्रम 2024 में शुरू किया। संगठन ने अपनी विशेष परिचालन का विस्तार अलग-अलग राज्यों में किया। बाल यौन शोषण पर प्रयास का हस्तक्षेप कार्यक्रम का उद्देश्य एक ऐसा वातावरण बनाना है। जिसमे पीड़ित न्याय पाने के लिए सुरक्षित, संरक्षित और सशक्त महसुस करे। इस कार्यक्रम की दो महत्वपूर्ण केन्द्र बिन्दु हैं। सहायक व्यक्तियों की नियुक्ति के माध्यम से पीड़ितो की देख भाल, सुरक्षा और पुनर्वास के लिए (सर्पोट परसन) की नियुक्ति और न्याय की त्वरित प्राप्ति के लिए अदालत में पीड़िताओं को कानूनी प्रतिनिधित्व प्रदान करना। प्रयास संस्था के राज्य समन्वयक जितेन्द्र कुमार सिंह द्वारा विस्तृत जानकारी दिया गया साथ ही न्याय नेटवर्क परियोजना डंकन अस्पताल रक्सौल से डॉ. इमामुल, जुहान थ्रो, प्रणय मोहंत्री, रुबेल, सुमित लीमा, लीगल एडवाइजर संजू सिंह द्वारा मानव व्यापार ट्रेफिकिंग रोक थाम हेतु सभी अतिथियों को विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला गया। जिला बाल कल्याण समिति सदस्य ओमप्रकाश सिंह, दिग्विजय कुमार द्वारा बाल यौन शोषण एवम मानव व्यापार ट्रेफिकिंग जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। मौके पर बाल रक्षा भारत सेव द चिल्ड्रेन उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रज़ा, एएचटीयू से दीपक कुमार, योगेन्द्र सिंह, श्रम विभाग से श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी उमेश प्रसाद सिंह, एसएसबी 71वीं वाटलियन से एंटी ह्यूमन ट्रेफिकिंग इंस्पेटर अभय कुमार शामिल रहे। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन प्रयास जुवेनाइल एड सेन्टर की जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी द्वारा किया गया। प्रयास संस्था से सामाजिक कार्यकर्ता विजय कुमार शर्मा, राज गुप्ता, अभिषेक कुमार, उमेश कुमार श्रीवास्तव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार से राजेश कुमार, अरुणेश कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने किया कोषागार कार्यालय का निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा नगर स्थित जिला कोषागार कार्यालय का निरीक्षण मंगलवार को किया गया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने कोषागार कार्यालय में कार्यरत सभी कर्मियों का परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर वरीय कोषाकर पदाधिकारी विजय कुमार सिंह, सहायक कोषागार पदाधिकारी, लेखापाल एवं कार्यालय के सभी कर्मी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी के श्री जोरवाल के द्वारा कोषागार कार्यालय में कार्यरत सीएफएमएस सहायता केंद्र के कक्ष में स्थित लेखा संबंधी कागजों का अवलोकन किया गया एवं उसके विषय में जानकारी प्राप्त की गई। इसके बाद कोषागार के अंदर वाले कक्ष एवं परिसर का निरीक्षण किया गया तथा कोषागार पदाधिकारी के कक्ष में वित्त विभाग की पत्र के आलोक में विपत्र संबंधी एवं अन्य कार्यों की गहन जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान वहां पर प्रशासनिक सेवा के तीन, एक सूचना सेवा के, दो पंचायती राज सेवा के तथा एक चिकित्सा सेवा के नव चयनित पदाधिकारी का प्रशिक्षण कार्य भी चल रहा था, जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण कार्य को देखा एवं नव चयनित पदाधिकारी से मिलकर प्राप्त कर रहे प्रशिक्षण की जानकारी प्राप्त की।

एलएनडी कॉलेज में शोक सभा का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के एलएनडी कॉलेज में मंगलवार को सेवानिवृत पूर्व प्राचार्य सह पूर्व अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. ध्रुव नारायण द्विवेदी के निधन के उपरांत शोक सभा का आयोजन मंगलवार को किया गया। कॉलेज के सभी प्राध्यापकों सहित सभी कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत प्रो. द्विवेदी को अपनी श्रद्धांजलि दी। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि प्रो. ध्रुव नारायण द्विवेदी के साथ काम करने का सौभाग्य मुझे प्राप्त है। वे एक महान अर्थशास्त्री और सच्चे अर्थों में एक समाजसेवी थे। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार ने शोक जताते हुए कहा कि प्रो. द्विवेदी के निधन से कॉलेज परिवार ने अपना एक अभिभावक खो दिया है। विदित हो कि प्रो. द्विवेदी संग्रामपुर थाने अंतर्गत दुबे टोला गांव के निवासी थे और वर्तमान में शहर के गोपालपुर स्थित अपने डेरा पर रह रहे थे। प्रो. द्विवेदी अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। इनके पुत्र अजीत द्विवेदी देश के जाने माने पत्रकार हैं। शोक सभा शोक जताने वालों में डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, प्रो. राकेश रंजन, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. दुर्गेशमणि तिवारी, डॉ. सर्वेश कुमार, डॉ. कुमार राकेश रंजन, प्रो. जौवाद हुसैन, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. संतोष बिश्नोई, डॉ. रविरंजन सिंह, डॉ. परमानंद त्रिपाठी, डॉ. केके सिन्हा, डॉ. प्रियरंजन दुबे, प्रो. मनोज कुमार, प्रधान सहायक राजीव कुमार, डॉ. भुनेश्वर सिंह, लेखापाल कामेश भूषण, संजीव किशोर, मणिभूषण, अमित कुमार, अखिलेश कुमार, आशुतोष कुमार, शनि कुमार, सिकंदर कुमार, मोहन सिंह, राघव शरण आदि मुख्य रूप से थे।

अनुश्रवण समिति की बैठक की गयी आहुत

बीएनएम। मोतिहारी

अनुमंडल पदाधिकारी सिकरहना ढाका की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में अनुमंडल अनुश्रवण समिति की बैठक आहुत की गई। जिसमें अनुश्रवण समिति के सदस्यों द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिए गए -

- समिति के माननीय सदस्य द्वारा बताया गया कि प्रत्येक सदस्य के जिम्मे कुछ पंचायतों का निरीक्षण करने की जिम्मेदारी दिया जाए।
- गोदाम मैनेजर द्वारा सभी डीलरों को राशन वजन करके देने की मांग की गई।
- सभी पीडीएस डीलरों को दुकान पर उपस्थित रहने की सलाह दी गई एवं उपभोक्ताओं से मधुर व्यवहार करने का निर्देश दिया गया
- सभी पीडीएस दुकानदारों को सूचना पट्ट को संधारित करने का निर्देश दिया गया । पीडीस विक्रेता प्रतिदिन सूचना संधारित करेगें।
- सभी पीडीएस डीलर को आप अपने स्तर से दिशा निर्देश दे की उनके अपने निर्धारित स्थान यानी अपने दुकान पर ही उपभोक्ताओं से अंगूठा लगाना एवं राशन देना सुनिश्चित करेंगे ना कि घूम-घूम कर उनके घर जाकर अंगूठा लगाया जाएगा।
- ई-केवाईसी में तेजी लायी जाए।
- आंगनबाड़ी एम विद्यालय को भी अनुश्रवण समिती के सदस्यों को निरीक्षण करने का आदेश दिया जाए।
- अनाज की अच्छी गुणवत्ता उपलब्ध कराई जाये।
- अनुश्रवण समिति के उठाए गए बिंदुओं पर की गई करवाई से अगले बैठक में अवगत कराया जाए।

अंत में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अपने-अपने क्षेत्र में रहकर भ्रमण कर डीलर के माध्यम से उपभोक्ताओ को राशन ससमय उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही उपभोक्ताओं की जो भी समस्या होगी उसको ससमय निष्पादन करेंगे। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की कार्रवाई समाप्त हुई।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

सुगौली नगर पंचायत में बीती रात लुटेरों ने बरपाया कहर

बीएनएम। सुगौली

- पति-पत्नी और पुत्र को चाकू से गोदा
- तीनों घायलों का मोतीहारी के नर्सिंग होम में हो रहा है इलाज, पुत्र की हालत गंभीर.
- भागने के दौरान पकड़ाया अपराधी.

नगर पंचायत के रेडिमेड कपड़ों के व्यवसायी के घर पर हमला कर अपराधियों ने पति-पत्नी और पुत्र को चाकू से बुरी तरह घायल कर दिया है। घटना सोमवार की रात लगभग 1बजकर 30मिनट की बताई जाती है। घटनास्थल को देखने,पीड़ित गृह स्वामी तथा अन्य स्रोतों से मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार की रात नगर पंचायत के वार्ड छः नंद उच्च विद्यालय के समीप बाजार-पाण्डेय टोला सड़क स्थित रेडिमेड कपड़ों के व्यवसायी ओमप्रकाश वर्णवाल के घर पर अचानक अपराधियों ने हमला बोल दिया।आधा दर्जन से अधिक बदमाश घर के पिछे से बांस के सहारे खिड़की के रास्ते घर में घुसकर लूट पाट करने लगे तभी ओमप्रकाश वर्णवाल की पत्नी अन्नू वर्णवाल की नींद खुल गई।महिला को जगा देख बदमाशों ने उस पर चाकू से हमला बोल दिया।शोर सुनकर गृहस्वामी और उसके पुत्र लखन तथा दोनों बहनों की नींद खुल गई,जब वे बचाने पहुंचे तो बदमाशों ने पिता और पुत्र को भी चाकू से

गोद डाला।शोर होते देख बदमाश भागने लगे,भागने के दौरान एक अपराधी ठोकर लगने से गिर पड़ा जिसके बाद जख्मी लखन और उसकी दोनों बहन साक्षी और शिबा ने किसी तरह एक बदमाश को पकड़ने में कामयाब रहे। घटनास्थल पर बिस्तर, दीवार पर खून बिखरा पड़ा है। घटना का पता चलते ही पूरे नगर पंचायत में सनसनी फ़ैल गयी।इसी दौरान घटना की सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार ने घायलों को इलाज हेतु स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया,जहां चिकित्सकों ने से बेहतर इलाज के लिए मोतीहारी रेफर कर दिया है।जहां लखन वर्णवाल की हालत गंभीर बनी हुई है।घटना में पांच छः अपराधियों की संलिप्तता की जानकारी मिल रही है।पुलिस ने गृहस्वामी के बयान पर घटनास्थल की गहन जांच पड़ताल की तथा पकड़े गए बदमाश पहाड़पुर थाना क्षेत्र स्थित बरपुरवा गांव निवासी अकबर अली के पुत्र शाहिद को हिरासत में ले लिया। सूत्रों के मुताबिक पकड़े गये अपराधी ने अपने एक साथी के नाम का खुलासा किया है। पुलिस ने घटनास्थल से घटना में प्रयुक्त एक चाकू भी बरामद किया है। घटना की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश से घटना में शामिल अन्य बदमाशों के विषय में पुलिस गहन पूछताछ कर रही है। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल अपराधियों को जल्द ही कानून के शिकंजे में कहा जाएगा। प्रथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया कि जा रही है। वहीं सुगौली व्यवसायिक संघ के अध्यक्ष अशोक कुमार ने घटना की कड़ी निन्दा करते हुए पुलिस से अपराधियों को जल्द पकड़ने की मांग की है।

महंगाई, भ्रष्टाचार व बेरोजगारी के खिलाफ भाकपा का धरना-प्रदर्शन छः को

बीएनएम। केसरिया

नगर स्थित सर्वोदय किड्स कैंपस में मंगलवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के अंचल कमिटी की बैठक कामरेड ध्रुव प्रसाद चौरसिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से पार्टी को सुदृढ़ करने और सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने पर बल दिया गया। साथ हीं बूथ कमेटी को ओर सशक्त करने पर चर्चा की गई। पार्टी के जिला उप सचिव कमरेड राजेंद्र सिंह ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार के खिलाफ पार्टी द्वारा छः अगस्त को केसरिया ब्लॉक परिसर में ऐतिहासिक धरना प्रदर्शन होगा। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि राज्य के अंदर दर्जन पुल पुलिया बरसात के शुरुआती दौर में ही क्षतिग्रस्त हो गए। संचालन करते हुए अंचल सचिव कमरेड निजामुद्दीन खान ने कहा कि मनरेगा में मजदूरों का काम नहीं मिल पा रहा है किसानों को खाद बीज एवं कीटनाशक दवाई नहीं मिल रही है। हत्या, लूट, बलात्कार जैसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। बैठक में गाया प्रसाद, नारायण किशोर राय, हरिशंकर पासवान, अवधेश सिंह, मिथिलेश पाण्डेय, याकूब खान, मुन्ना कुमार, छात्र नेता कुमार धनंजय, सत्येंद्र कुमार, जगन्नाथ राम, रामवृक्ष सहनी, उपेंद्र कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

हरसिद्धि पुलिस ने मारपीट के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के घिउवाढार पंचायत के लौकरिया गांव में छापेमारी कर स्थानीय पुलिस ने एक मारपीट के अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त कांड संख्या 241/24 का आरोपी है। गिरफ्तार आरोपी नंदलाल शाह पिता सुंनर साह लौकरिया निवासी बताया जाता है। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि पकड़े गए अभियुक्त को पूछताछ के बाद मंगलवार को जेल भेज दिया गया। छापेमारी में दरोगा मनीष राज, पीएसआई अमित कुमार रंजन व शस्त्र बल शामिल थे।

पर्चाधारी के जमीन पर जबरन शव जलाने के विवाद में मारपीट,आधा दर्जन जख्मी

बीएनएम। पूर्वी चंपारण। जिले पीपरा थाना क्षेत्र में पर्चा वाली भूमि पर जबरन शवदाह करने को दो पक्षों में जमकर हुई।जिसमे करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घायल सभी का चकिया अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज चल रहा है।वही घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे चकिया एसडीओ व डीएसपी ने मामले को शांत कराया।वही घटना स्थल पर पर्याप्त संख्या में महिला व पुरूष सुरक्षा बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। घटना के सबंध में मिली जानकारी के अनुसार पिपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत एन एच 27 के किनारे चकबारा गांव में सेना में कार्यरत शशि प्रकाश को छह डिसमिल जमीन सरकार द्वारा बंदोबस्त किया गया है। जिसको लेकर बाउंड्री का निर्माण कार्य चल रहा था।जहां मंगलवार को बड़ी संख्या में लोग चकबारा गांव निवासी रमण राम के पत्नी का शव लेकर निर्माणाधीन ब्राउंडी के बीच अंतिम संस्कार के लिए पहुंच गये। इसी दौरान पहले दोनो पक्षो में कहासुनी हुई,जो देखते ही देखते मारपीट में तब्दील हो गया।इस दौरान उपद्रवियो ने एस्बेस्टस और बांस के बने झोपड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया। चकिया एसडीओ ने बताया कि कुछ आसमाजिक तत्वों द्वारा पर्चा धारी जमीन पर जबरन शव जलाने का प्रयास किया गया है। जिसको लेकर दो पक्ष में मारपीट हुआ है, इसको लेकर पीपरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कारवाई की जा रही है।

कमिश्नर के आदेश पर वास्तविक भूमि धारक के दिलाया गया दखल कब्जा

बीएनएम। पूर्वी चंपारण। जिले के कोटवा प्रखण्ड के अहिरौलिया गांव में तिरहुत प्रक्षेत्र के कमिश्नर के आदेश के बाद भूमि के वास्तविक मालिक को मंगलवार को मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में दखल कब्जा दिलाया गया। मौके पर मजिस्ट्रेट के अलावे भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। जानकारी के मुताबिक गांव के खाता सं.27,खेसरा 2869 के 1 बीघा 1 कट्ठा भू खण्ड पर पिछले साल से अवैध रूप से कब्जा जमाया गया था। इस मामले में एसडीओ और डीसीएलआर के द्वारा आदेश दिया गया। बाद में यह मामला कमिश्नर के पास गया , जहा सुनवाई के बाद कमिश्नर के आदेश पर दखल कब्जा दिलाया गया। इस बाबत सीओ मोनिका आनंद ने बताया है कि कमिश्नर के आदेश के आलोक में सदर एसडीओ के निर्देश पर सुरक्षा बलों के साथ उक्त जमीन का दखल कब्जा दिलाया गया।

पूर्वी चंपारण के मजदूर की दिल्ली में हुई मौत

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

जिले के पलनवा थाना क्षेत्र के जगधर गांव निवासी एक मजदूर की मौत दिल्ली में हो गयी। रौशन कुमार दो माह पहले दिल्ली में मजदूरी करने के लिए गया था, जिसका शव मंगलवार को घर पहुंचने के बाद पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है।परिवार के लोगो का रो-रो कर बुरा हाल बना है। रौशन के परिजन ने बताया कि दिल्ली से ठेकेदार का फोन आया कि रौशन की मौत सांप काटने से हो गयी है, लेकिन परिवार के लोगों का कहना है कि रौशन की मौत सांप काटने से नही कोई अन्य कारणों से हुई है। उनकी मौत का राज छुपाया जा रहा है।उनलोगो ने बताया कि मृतक रौशन कुमार अपने परिवार का एकलौता कमाने वाला सदस्य था, जिसके कंधे पर पूरे परिवार के भरण पोषण की जिम्मेवारी थी। उसका एक और छोटा भाई है लेकिन वो मंद बुद्धि का है। मृतक की पत्नी चांदनी देवी ने बताया कि पति की मौत के बाद उनके परिवार को देखने वाला कोई नहीं बचा है। मृतक को दो बेटी है, जिसमें एक की उम्र पांच साल तथा दूसरे की उम्र 3.5 साल है। जबकि एक डेढ़ साल का बेटा भी है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के दुकानदार समय से खाद्यान्न वितरित करना करें सुनिश्चित- सदर अनुमंडल पदाधिकारी

बीएनएम। मोतिहारी

सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्रेष्ठ अनुपम के द्वारा जिला के सुगौली प्रखंड अंतर्गत फुलवरिया पंचायत का मंगलवार को भ्रमण कर वहां सार्वजनिक वितरण प्रणाली के दो दुकानों की जांच की गई। जांच के क्रम में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के दुकानदार प्रभादेवी एवं उमेश प्रसाद उपस्थित थे। अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा स्टॉक एवं वितरण का पंजी से मिलान किया गया। वहां पर उपस्थित आम ग्रामीण जनता से मिलकर अनुमंडल पदाधिकारी ने खाद्यान्न के वितरण के बारे में पूछताछ की और सही तौर पर अनाज मिलता है कि नहीं मिलता है, इसकी जानकारी प्राप्त की। वहां पर उपस्थित लोगों ने बताया कि डीलर के द्वारा सही वजन के साथ हर माह अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। अनुमंडल पदाधिकारी के बार-बार पूछने के बाद भी किसी व्यक्ति के द्वारा वहां से शिकायत प्राप्त नहीं हुई। अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा अनुमंडल के सभी डीलरों को समय से खाद्यान्न वितरित करने का निर्देश देते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि घटतौली की शिकायत मिलने पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यहां पर डीलरों के द्वारा बताया गया कि प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के द्वारा भी समय-समय पर जांच किया जा रहा है एवं अनाज के उठा में उनका सहयोग मिल रहा है।

सैंड आर्टिस्ट मधुरेन्द्र को मिला इंटरनेशनल डॉ कलाम यूथ रत्न अवॉर्ड

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

ख्याति प्राप्त सैंड आर्टिस्ट पूर्वी चंपारण जिला निवासी मधुरेन्द्र को अंर्तराष्ट्रीय डा.कलाम यूथ रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया है। मधुरेन्द्र को यह सम्मान भारत के पूर्व राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के 9वें पुण्यतिथि के अवसर पर नेशनल मिमे इंस्टीट्यूट कोलकाता के सभागार में भारतीय ख्वाब फाउंडेशन द्वारा आयोजित डॉ कलाम का बीज कार्यक्रम के तहत कलाम युवा नेतृत्व के छठे सम्मेलन के दौरान कला व संस्कृति के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। पूर्वी चंपारण जिले के बिजबनी घोड़ासहन निवासी सैंड आर्टिस्ट मधुरेन्द्र कुमार को ख्वाब फाउंडेशन के संस्थापक ई मुन्ना कुमार और असम के महिला समाजिक कार्यकर्ता प्रख्यात शिक्षाविद प्रो अर्चना भट्टाचार्य ने संयुक्त रूप से स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र के साथ डॉ कलाम यूथ रत्न अवार्ड का मेडल पहनाकर सम्मानित किया।वही मधुरेन्द्र को यह सम्मान मिलने के बाद देश भर से बधाई मिल रहा है।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

चिंतन मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले हैं। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं-आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं। किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रह्मसंहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित हों।वैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं। जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

मौत बांटते असुरक्षित कोचिंग सैंटर, पीजी और हॉस्टल

ललित गर्ग

दिल्ली में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कराने वाले एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत-हादसे ने समूचे राष्ट्र को दुःखी एवं आहत किया है, यह हादसा नहीं, बल्कि मानव जनित त्रासदी है, लापरवाही एवं लोभ की पराकाष्ठा है। इस त्रासदी की जड़ में है घोर दोषग्रस्त कोचिंग प्रणाली और व्यवस्था की जड़ों में समा गया बेलगाम भ्रष्टाचार। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कोचिंग संस्थान के दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, क्योंकि दिल्ली नगर निगम के उन कर्मचारियों और अधिकारियों को क्यों नहीं गिरफ्तार किया गया जो सब कुछ जानते-बूझते हुए इस संस्थान को बेसमेंट में लाइब्रेरी चलाने की सुविधा प्रदान किए हुए थे। इस दुःखद एवं पीड़ादायक घटना ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। जिसकी कीमत निर्दोषों को अपनी जान गंवा का चुकानी पड़ रही है। निश्चित ही देशभर में कुकुरमुत्तों की तरह उग आए कोचिंग सैंटर डैथ सैंटर बन चुके हैं। कोचिंग सैंटरों का कारोबार शासन के दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ाकर चल रहे हैं। छात्रों को सुनहरी भविष्य का सपना दिखा कर मौत बांटी जा रही है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में तीव्रता से व्याप्त है, अनेक हादसों एवं जानमाल की हानि के बावजूद भ्रष्ट हो चुकी मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं होता। प्रश्न है कि सैंटर के मालिक को तो गिरफ्तार कर लिया लेकिन ऐसी घटनाओं के दोषी अधिकारी क्यों नहीं गिरफ्तार होते? शनिवार की शाम राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर के कोचिंग सैंटर में हुए हादसे में तीन छात्रों नेविन डोल्विन, तान्य सोनी और श्रेया यादव की दुखद मौत ने अनेक सवालों को खड़ा किया है। केरल का रहने वाला नेविन आईएएस की तैयारी कर रहा था और वह जेएनयू से पीएचडी भी कर रहा था। उत्तर प्रदेश की श्रेया यादव ने अभी एक महीना पहले ही इस कोचिंग सैंटर में दाखिला लिया था। कोचिंग सैंटर के बेसमेंट में लाइब्रेरी चल रही थी जहां 150 छात्रों के बैठने की व्यवस्था थी। हादसे के वक्त 35 छात्र मौजूद थे। चंद मिनटों में ही बेसमेंट में पानी भर गया। सिर्फ इसी सैंटर में

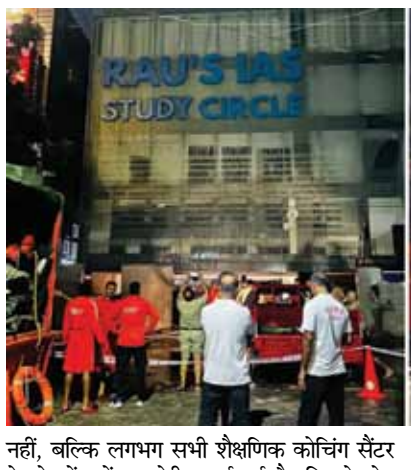

नहीं, बल्कि लगभग सभी शैक्षणिक कोचिंग सैंटर के बेसमेंट में लाइब्रेरी बनाई गई है। जिसके गेट बायोमेट्रिक आईडी से खुलते हैं, जैसे ही बारिश होती है, बिजली चली जाती है, उसके बाद बेसमेंट से निकलना बिना बायोमैट्रिक आईडेंटिफिकेशन के मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में हादसे और मौत की संभावना बढ़ जाती है। ओल्ड राजेंद्र नगर के न सिर्फ कोचिंग सैंटर बल्कि पीजी और हॉस्टल की असुरक्षित हालत भी मौत लिये किसी भी क्षण बड़े हादसे की संभावना के साथ खड़ी है। जहां इस कदर अवैध निर्माण है कि कभी भी दूसरा या दोबारा हादसा हो सकता है। इसलिये ऐसे हादसों की जांच से काम नहीं चलने वाला। विडम्बनापूर्ण है ऐसे जलभराव एवं आगजनी के हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है। राजधानी में रह-रह कर एक के बाद एक हो रहे हादसों के बावजूद दिल्ली-सरकार की नींद नहीं खुल रही है। हाल ही में गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें हो या राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगना और अब कोचिंग सैंटर में तीन होनहार एवं देश के भविष्य बच्चों का दर्दनाक तरीके से डूबकर मर जाना-निश्चित रूप से ये हादसे प्रशासनिक लापरवाही की उपज हैं, यही कारण है कि सिस्टम में खामियों और ऐसी आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा भी व्यापक स्तर की जा रही है। यह याद रखने योग्य है कि नियमित अंतराल पर मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू की अनदेखी से ऐसी गंभीर घटनाएं होने के बावजूद अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही कम होती नहीं दिख रही है। इन त्रासद हादसों ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। परिवार वालों ने और छात्रों ने स्वर्णिम भविष्य के सपने संजो कर और लाखों की फीस देकर कोचिंग शुरू की होगी लेकिन उन्हें नहीं पता था कि उन्हें इस तरह मौत मिलेगी। छात्रों की मौत को महज हादसा नहीं माना जा सकता, यह एक तरह से निर्मम हत्या है और हत्यारा है हमारा सिस्टम। हादसे से आक्रोशित छात्रों का कहना है कि वे 10-12 दिन से दिल्ली नगर निगम से कह रहे हैं कि ड्रेनेज सिस्टम की सफाई कारवाई जाए लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। हादसे तभी होते हैं जब नियमों और कानूनों को ताक पर रखा जाता है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलते ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। जलभराव क्यों और कैसे हुआ, यह तो जांच का विषय है ही लेकिन इन शैक्षणिक एवं व्यावसायिक इकाइयों को उसके मालिकों ने मौत का कुआं बना रखा था। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। हर दुर्घटना में गलती भ्रष्ट आदमी यानी अधिकारी एवं व्यवसायी की ही होती है, लेकिन दुर्घटना होने के बाद ही उन पर कार्रवाई क्यों होती है? सरकार पहले क्यों नहीं जागती? वैसे तो बेसमेंट में कोचिंग सैन्टर या लाइब्रेरी चलाना गैर-कानूनी है, इस घटना के सन्दर्भ जब बेसमेंट में स्टोर या पार्किंग की अनुमति दी गई थी तो वहां लाइब्रेरी कैसे चलने लगी? स्पष्ट है कि कोचिंग संचालकों और दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों की मिलीभगत से ऐसा हो रहा होगा। जलभराव के कारण पानी जब बेसमेंट में घुसा तब लाइब्रेरी में 30-35 छात्र थे। यह तो गनीमत रही कि तीन अभागे छात्रों को छोड़कर बाकी सब जैसे-तैसे निकल आए। इस इलाके में बरसात में हर समय जलभराव होता है, लेकिन किसी ने उसकी सुध नहीं ली। इसका कोई विशेष औचित्य नहीं कि एमसीडी ने एक जांच समिति गठित करने की बात कही है। जांच के नाम पर लीपापोती होने की ही आशंका अधिक है। दिल्ली की घटना इसकी परिचायक है कि जिन पर भी शहरी ढांचे की देखरेख करने और उसे संवारने की जिम्मेदारी है, वे अपना काम सही से करने के लिए तैयार नहीं। यही कारण है कि देश की राजधानी के साथ-साथ अन्य महानगरों का भी शहरी ढांचा बुरी तरह चरमरा गया है। बात हम नया भारत एवं विकसित भारत की करते हैं, लेकिन हमारी व्यवस्थाएं अभी वैसी नहीं बनी है और हम अनियंत्रित एवं असुरक्षित विकास करते जा रहे हैं। मुंबई हो, दिल्ली हो, चेन्नई या बेंगलुरु या ऐसे ही अन्य बड़े शहर -हर कहीं अनियोजित विकास और शहरी निर्माण संबंधी नियम-कानूनों के खुले उल्लंघन के चलते आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। स्थिति यह है कि सरकारी भवनों तक में सुरक्षा के उपायों की अनदेखी होती है। दिल्ली के इनकम टैक्स भवन में आग से एक अधिकारी की जान हाल में गयी। कहने को तो अपने देश में हर तरह के नियम-कानून हैं, लेकिन वे कागजों पर ही अधिक हैं या निर्दोषों को परेशानी करने के लिये है। औसत जनप्रतिनिधि और अधिकारी-कर्मचारी पैसे बनाने के फेर में रहते हैं और अनियोजित विकास को रोकने के बजाय उसे बढ़ावा देने का काम करते हैं। सब चलता है वाली प्रवृत्ति इस तरह अपनी जड़ें जमा चुकी है कि व्यवस्था की परवाह करना ही छोड़ दिया गया है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि शहरी विकास के बड़े-बड़े दावे करने और उन्हें संवारने की तमाम योजनाएं बनाने के बावजूद देश के शहर दुर्दशाग्रस्त एवं असुरक्षित हैं। हर हादसे पर सियासत होती है लेकिन कोचिंग सैंटर माफिया इतना ताकवर है कि उसके आगे कोई कुछ नहीं बोलता। ऐसा क्यों है यह सब जानते हैं।

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार ख़तरनाक होते हैं।
- सत्यसाई बाबा

मनुष्य की महानता उसके कपडों से नहीं बल्कि उसके चरित्र से आँकी जाती है।
- स्वामी विवेकानन्द

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि एकादशी, बुधवासरे, रोहिणी नक्षत्रे, ध्रुव योगे, वालव करणे, मिथुन की चंद्रमा, मिथुन राशि रात्रि 12/11 तक कामदा एकादशी व्रत, सर्वार्थ सिद्ध योग, समस्त दिन, रात तक तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, दार्शनिक किन्तु जिद्दी-हठी, लकड़ी का व्यापारी, ठेकेदार, ट्रक चालक, ट्रक मालिक, बस मालिक, ट्रांसपोर्टर, बाडी मेकर, मैकेनिकल इंजीनियर, ठेकेदार, धनी होगा।
मेष राशि - बढ़िया यात्रा, विवाद, कष्ट, मातृ कष्ट, व्यय, विरोध होगा, आंशिक हानि की संभावना।
वृष राशि - धन लाभ, व्यापार में प्रगति, शुभ कार्य होगा, आशानुकूल परिणाम से हर्ष होगा।
मिथुन राशि - पितृ कष्ट, यात्रा योग, व्यय लाभ, अशांति का वातावरण रहेगा, धैर्य रखें।
कर्क राशि - यात्रा शुभ होगी, भूमि लाभ, हर्ष, कार्य सिद्धी, गृहकार्य की व्यवस्था पूर्ण होगी
सिंह राशि - शत्रु भय, प्रवास, विरोध, उद्योग-व्यापार में लाभ, लाभ के कार्य सफल होंगे।
कन्या राशि - लाभ, सिर-नेत्र पीड़ा होगी, यात्रा परेशानीयुक्त होगी, धैर्य के साथ कार्य पूर्ण करें।
तुला राशि - सुख, सफलता, निर्माण कार्य होगा, प्रवास, राजकार्य में व्यवस्था से लाभ होगा।
वृश्चिक राशि - मानसिक तनाव आकस्मिक बढ़ेगा, स्वजनों से सहानुभूति अवश्य मिलेगी।
धनु राशि - व्यवसाय की उन्नति से आर्थिक स्थिति में विशेष सुधार होगा, समय का लाभ लें।
मकर राशि - विलास सामग्री का संचय होगा, अधिकारी वर्ग की कृपा का लाभ मिलेगा।
कुंभ राशि - इष्ट मित्रों से लाभ, अच्छा सहयोग मिलेगा, उत्तम लाभ के योग बनेंगे।
मीन राशि - गृह कलह, हीन मनोवृत्ति रहेगी, शरीर पीड़ा तथा परेशानी अवश्य ही बनेगी।

आधुनिक कथा साहित्य के जन्मदाता मुंशी प्रेमचंद आज भी प्रासंगिक!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

दुनिया के महानतम लेखकों में से एक हैं मुंशी प्रेमचन्द। जिन्हें आधुनिक कथा साहित्य का जन्मदाता और कथा सम्राट भी कहा जाता है।इनका मूल नाम धनपत राय श्रीवास्तव है, जिन्हें उर्दू में नवाब राय और हिंदी में मुंशी प्रेमचंद के नाम से जाना जाता है। उपन्यास के क्षेत्र में उनकी उपलब्धि से प्रभावित होकर विख्यात उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने उन्हें उपन्यास सम्राट की मान्यता दी। प्रेमचंद ने हिन्दी कहानी और उपन्यास की एक ऐसी परंपरा को विकसित किया, जिसने पूरी सदी के साहित्य को सम्रद्ध बना दिया। मुंशी प्रेमचंद ने साहित्य की यथार्थवादी परंपरा की नींव रखी। उनका लेखन हिन्दी साहित्य की एक ऐसी विरासत है जिसके बिना हिन्दी के विकास का सपना अधूरा होगा। वे एक संवेदनशील लेखक, जागरूक इंसान, प्रखर वक्ता तथा सुलझे हुए संपादक थे। मुंशी प्रेमचंद के बाद जिन लोगों ने साहित्य को सामाजिक सरोकारों और प्रगतिशील मूल्यों के साथ आगे बढ़ाने का काम किया, उनमें यशपाल से लेकर मुक्तिबोध तक शामिल कहे जा सकते हैं। बहुमुखी प्रतिभा संपन्न प्रेमचंद ने उपन्यास, कहानी, नाटक, समीक्षा, लेख, सम्पादकीय, संस्मरण आदि अनेक विधाओं में साहित्य की रचना की। उनकी प्रसिद्धि कथाकार के तौर पर हुई और अपने जीवन काल में ही वे 'उपन्यास सम्राट' की ऊंचाई तक पहुंचे। उन्होंने कुल 15 उपन्यास, 300 से अधिक कहानियाँ, 3 नाटक, 10 अनुवाद, 7 बाल-पुस्तकें तथा हजारों पृष्ठों के लेख, सम्पादकीय, भाषण, भूमिका, पत्र आदि की रचना की उनकी लेखनी हिन्दी और उर्दू भाषा दोनों में समान रूप से दिखायी देती है। मुंशी प्रेमचन्द का जन्म 31 जुलाई 1880 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद के लमही गांव में हुआ था ।इनके पिता अजायबराय लमही गाव में ही डाकघर के मुंशी थे और इनकी माता आनंदी देवी एक ग्रहणी थी। मुंशी प्रेमचन्द के बचपन में माता का देहांत होने पर इनके पिता गोरखपुर चले गए जहां इनके पिता ने दूसरी शादी कर ली। फिर चौदह साल की उम्र में इनके पिताजी का भी देहांत हो गया । मुंशी जी का जीवन गरीबी में ही पला। पहनने के लिए कपड़े नही होते थे और खाने के लिए पर्याप्त भोजन नही मिल पाता था। घर में सौतेली माँ का व्यवहार भी उन्हें रुला देने वाला होता था। पिताजी के देहान्त के बाद सिर पर पूरे घर का बोझ आ गया। एक साथ पाँच लोगों का खर्चा सहन करना किसी पहाड़ पर चढ़ने से कम नही था। मुंशी प्रेमचन्द की आर्थिक विपत्तियों का अनुमान इस घटना से लगाया जा सकता है कि पैसे के अभाव में उन्हें अपना कोट तक बेचना पड़ा और पुस्तकें भी बेचनी पड़ी। एक दिन ऐसी हालत हो गई कि वे अपनी सारी पुस्तकों को लेकर एक बुकसेलर के पास पहुंच गए। वहाँ उन्हें एक हेडमास्टर मिले जिन्होंने इनको अपने स्कूल में अध्यापक पद पर नियुक्त करा दिया। अपनी गरीबी से लड़ते हुए प्रेमचन्द ने मैट्रिक तक पढ़ाई की। उन्हें पढ़ने का शौक था,वे वकील बनना चाहते थे। मगर गरीबी ने उनका सपना पूरा नही होने दिया। महात्मा गांधी के आह्वान पर उन्होने सन1921 में अपनी नौकरी छोड़ दी। नौकरी छोड़ने के बाद कुछ दिनों तक उन्होने मर्यादा नामक पत्रिका में सम्पादन का कार्य किया।उसके बाद छह साल तक माधुरी नामक पत्रिका में संपादन का काम किया। सन1930 से सन 1932 के बीच उन्होने अपनी मासिक पत्रिका हंस एवं साप्ताहिक पत्र जागरण का प्रकाशन शुरू किया। कुछ दिनों तक उन्होने मुंबई मे फिल्म के लिए कथाएं भी लिखी। उनकी कहानी पर फिल्म मज़दूर बनाई गई। जो सन 1934 में प्रदर्शित हुई। परंतु फिल्मी दुनिया उन्हे रास नहीं आयी और वह अपनी फ़िल्म कथा लेखन संविदा को पूरा किए बिना ही बनारस वापस लौट आए। प्रेमचंद ने मूल रूप से हिन्दी मे सन 1915 से कहानियां लिखनी शुरू की। उनकी पहली हिन्दी कहानी सन 1925 में सरस्वती पत्रिका में सौत नाम से प्रकाशित हुई। सन1918 ई में उन्होने उपन्यास लिखना शुरू किया। उनके पहले उपन्यास का नाम सेवासदन है। मुंशी प्रेमचंद की प्रसिद्ध रचनाओ का उनकी मृत्यु के बाद अंग्रेजी अनुवाद भी किया गया है। सन 1900 में मुंशी प्रेमचंद को बहरीच के सरकारी जिला स्कूल में सहायक अध्यापक की नोकरी भी मिल गई जिसमे उन्हें महीने में 20 रुपये वेतन के रूप में मिलते थे. तीन महीने बाद उनका स्थानान्तरण प्रतापगढ़ की जिला स्कूल में हुआ धनपत राय यानि मुंशी प्रेम चन्द ने का पहला लघु उपन्यास असरार ए मा बिद लिखा था।

लोकसभा 45 मिनिट का चक्रव्यूह और राजनीति

राकेश अचल

चक्रव्यूह महाभारत के समय का हो या कलियुग का खतरनाक होता है। कलियुग की बल्कि मोदी युग की सियासत कमलाकार चक्रव्यूह में फंसी है। सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 45 मिनिट तक मौजूदा सियासी चक्रव्यूह पर जब लगातार बोला तो सत्तापक्ष के हौसले कमजोर होते दिखाई दिए। लोकसभा अध्यक्ष तक राहुल गांधी के सामने असहाय नजर आये। पिछले एक दशक में लोकसभा का सोमवार का दिन सबसे जायदा मार्मिक था। किसी को अंदाज नहीं था कि बजट भाषण पर बोलते हुए प्रतिपक्ष को इस हिकमत अमली के साथ बेनकाब करेंगे ,की सत्तापक्ष मन मसोस कर रह गया। सत्ता के बचाव में खड़े देश के रक्षा मंत्री और संसदीय कार्यमंत्री तक दांत पीसते नजर आये लेकिन राहुल को बोलने से नहीं रोक पाए।सत्ता पक्ष को भी ये उम्मीद नहीं थे कि विपक्ष के नेता उनके ही तीर से उन्हें ही भेदने में कामयाब हो जायेंगे। देश ने पहली बार देखा की लोकतंत्र की भूमि अभी वीरविहीन नहीं हुई है। राहुल कि भाषण कि दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू को सबने बिलबिलाते देखा । किरण ने राहुल पर आरोप लगाया कि वे संसदीय कानूनों को नहीं जानते। किरण ये आरोप लागते हुए भूल जाते हैं कि राहुल उतने ही वरिष्ठ संसद हैं जितने की वे। राहुल गांधी को संसदीय कामकाज का ज्ञान नहीं होगा। राहुल गांधी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी वरिष्ठ हैं और प्रधानमंत्री से भी। उन्हें यदि संसदीय प्रक्रिया का ज्ञान न होता तो ओम बिरला राहुल की गिल्लियां उड़ा देते। राहुल कि भाषण में सच कितना था और झूठ कितना ये संसदीय अभिलेख में दर्ज हो चुका है। सत्तापक्ष चाहे तो उनके झूठ को बिना मशीन कि इस्तेमाल के भी जांचा जा सकता है । राहुल बच्चे नहीं है। उन्होंने अपना भाषण मेहनत से तैयार किया होगा ,तभी तो वे सत्तापक्ष के चक्रव्यूह को भेद सके और लगातार हमलावर रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री से लेकर अडानी और अम्बानी को भी निशाने पर लिया। सत्तापक्ष और लोकसभा अध्यक्ष भी राहुल को न रोक पाए और न टोक पाए,क्योंकि राहुल पूरी तैयारी से लोकसभा में आये थे। उन्होंने कराधान से लेकर तमाम दूसरे मुद्दों पर जमकर बोला। उन्होंने चक्रव्यूह का जिक्र करते हुए कलियुग के उन पात्रों का भी उल्लेख कर दिया जो जनता के साथ

लगातार गलत बयानी कर रहे हैं। राहुल के भाषण में मोदी जी के भाषणों जैसे कटाक्ष नहीं थे। घबड़ाहट नहीं थी और न ही खिसियाहट। राहुल सामन्य होकर भाषण दे रहे थे। ये उनका आत्मबल है ,अन्यथा आज के युग में मोदी जी के मुकाबले कौन खड़ा हो सकता है ? राहुल ने देश में और भाजपा में व्याप्त भय को रेखांकित करना नहीं भूले । उन्होंने बार-बार इस बात का जिक्र किया कि भाजपा भय की राजनीति कर रही है। उन्होंने भाजपा और उसके समर्थकों को शिवजी की बारात तक कह दिया। उन्होंने अपने भाषण में कोई भी मुद्दा नहीं छोडा । राहुल ने अग्निवीर,नीट पर्चा लीक हीनहीं बल्कि किसानों और युवाओं के भी मुद्दे उठाये। उन्होंने जातीय जनगणना का मुद्दा भी छोड़ा नहीं है देश ने देखा की राहुल के भाषण के समय केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण जी भी सदन में मौजूद थीं ,लेकिन वे भी राहुल के बहशें के दौरान अपने दोनों हथेलियों से अपना चेहरा छिपातीं नजर आयी। वे या तो राहुल के भाषण से ऊब रहीं थीं या फिर शर्मसार हो रहीं थीं वित्तमंत्री जी की अकुलाहट देखने लायक थी। राहुल ने किसानों का ही नहीं अपितु पत्रकारों को एक शीशे के पीछे कैद किये जाने का भी जिक्र किया। लोकसभा अध्यक्ष राहुल के आरोपों पर निरुत्तर दिखाई दिए । उन्हें न जानें कितनी बार राहुल को डांटा,डराया,धमकाया लेकिन जब राहुल पर किसी भी बात का कोई असर नहीं हुआ तो खामोश हो गए। राहुल ने जिस हिकमत अमली का मुजाहिरा किया वो अप्रत्याशित था। उन्हें जब लोकसभा अध्यक्ष ने हद में रहने और अडानी तथा अम्बानी पर बोलने से रोका तो राहुल ने एक को ऐ-वन और दूसरे को ऐ-टू के नाम से सम्बोधित करने की अनुमति मांगी। गौरतलब है कि नयी लोकसभा में चुनकर आये विपक्ष के सदस्य गूंगे-बहरे नहीं है । राहुल से पहले तृण मूल कांग्रेस के अभिजीति बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष को छकाया था। अभिजीत के भाषण के दौरान सत्ता पक्ष के तमाम सदस्य कसमसाते रह गए। मुझे हैरानी है किलोकसभा अध्यक्ष ने इतना सब कुछ होने के बाद भी अभी तक सदन के किसी सदस्य को निलंबित नहीं किया है। पिछली बार निलंबित सदस्यों की संख्या 150 के आसपास पहुंच गयी थी। लोकसभा अध्यक्ष माननीय ओम बिरला जी को असहाय देखकर मुझे उनसे विशेष सहानुभूति हुई ह। वे भले ही भाजपा से हैं इससे क्या फर्क पड़ता है ? भाजपा के चक्रव्यूह में देश भी है और राहुल गांधी भी। अब देखना ये है की देश और राहुल भाजपा के इस चक्रव्यूह को भेद पाते हैं या उनकी दशा भी अभिमन्यु की तरह होगी ? आज की पीढ़ी महाभारत के चक्रव्यूह के बारे में यदि नहीं जानती हो तो उसे गूगल खंगाल लेना चाहिए। समझ में आ जाएगा की अभिमन्यु वध में किसने ,क्या किया था। आज की भारतीय राजनीति में राहुल चक्रव्यूह में घिरे भी हैं लेकिन उन्होंने चक्रव्यूह से निकलकर भी दिखा दिया है। राहुल मोदी युग में मोदी के रहते हुए भी अब एक ब्रांड बन गए हैं। यही उनकी उपलब्धि है। याद रखिये की मै न मोदी के पाले में हूँ और न राहुल के पाले में। मै जनता के पाले में हूँ।

शब्द पहेली - 8205

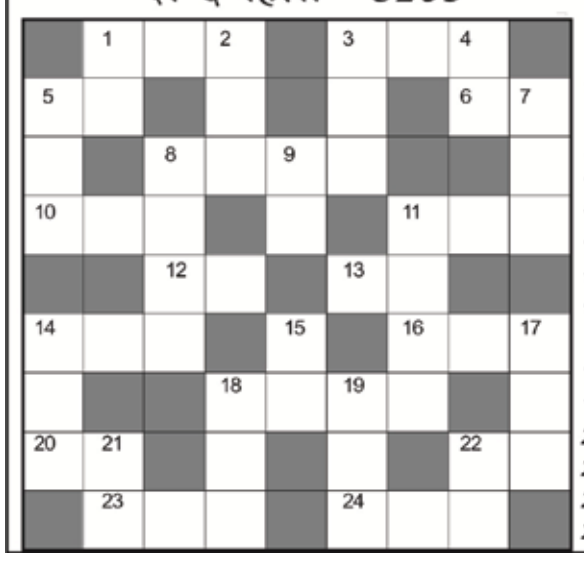

बाएँ से दाएँ

1. कवि की रचना,गजल-3
3. अनुमान,अंदाज-3
5. सदपुरुष-2
6. अयोग्य,असंगत -2
8. स्वार्थ,लोभ-4
10. सहयोग,सहकार-3
11. उन्माद,सनक-3
12. भगवान का अराधक-2
13. ठंडक,शीतलता-2
14. दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16. चांदी-3
18. गंवारपन,अशिष्टता-4
20. पैंदा,तला-2
22. वर्तमान दिन-2
23. बहने का भाव-3
24. गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर,फन,आर्ट-2
2. बल,दम,जोर-3
3. समीप,नजदीक-3
4. गलत का विलोम-2
5. भ्रम,संदेह-3
7. उपनदी,कैनाल-3
8. नशे से भरपूर-4
9. लाख,सौ हजार-2
11. स्वभाव,आदत-4
14. स्वास्थ्य-3
15. इस जगह-2
17. तहजीब,शिष्टता-3
18. इकट्ठा होना-3
19. रेखा,लाइन-3
21. होठ,अधर-2
22. आगमन-2

शब्द पहेली - 8204 का हल

स	ह	ल	ज	■	■	कु	ली	न
हि	■	■	र	सा	त	ल	■	फा
ता	ना	■	■	ग	म	■	■	स
■	जा	म	■	र	■	■	स	त
■	य	म	ज	■	आ	रा	म	■
ह	ज	■	■	ह	■	न	त	■
ज	■	■	क	र	■	■	ल	ब
र	■	स	ला	म	त	■	■	द
त	बा	ही	■	■	य	की	न	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7143

मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7142 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

इन कारणों से फॉरेस्ट्री में बनाया जा सकता है बेहतर करियर, मिलती है अच्छी सैलरी

अगर आप जंगल और प्रकृति में दिलचस्पी लेते हैं तो आपके लिए फॉरेस्ट्री डिग्री एक बेहतर करियर का ऑप्शन प्रदान कर सकती है। आइए जान लेते हैं कि किन कारणों से फॉरेस्ट्री एक बेहतर करियर बन सकती है। फॉरेस्ट्री में करियर मिट्टी की हेल्थ, हाइड्रोलॉजी, पारिस्थितिक तंत्र मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर, वन्यजीव संरक्षण, और लकड़ी की आपूर्ति श्रृंखला और कई अन्य क्षेत्रों में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

क्लाइमेट चेंज के बढ़ते प्रभावों के कारण, जंगलों और पेड़ों की रक्षा में मदद करने के लिए दुनिया भर में स्पेशलाइज्ड फॉरेस्ट और कंजर्वेशन साइंटिस्ट की मांग अधिक है। फॉरेस्ट इंडस्ट्री को 2019 से 2029 तक 5% बढ़ने का अनुमान है विशेष रूप से वाइल्ड फायर मैनेजमेंट के क्षेत्र में जिसमें जंगल की आग की रोकथाम आदि शामिल हैं।

स्वस्थ दिमाग को भी बढ़ावा देता है फॉरेस्ट्री

कई स्टडी से यह साबित हो चुका है कि पेड़ों और हरियाली के साथ और प्रकृति के बीच बाहर समय बिताना तनाव, चिंता को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है। तो फॉरेस्ट्री एक ऐसा करियर है जो न केवल एक स्वस्थ पृथ्वी को बढ़ावा देता है, बल्कि एक स्वस्थ दिमाग को भी बढ़ावा देता है।

प्रतिष्ठित करियर है फॉरेस्ट्री

2021 तक, भारत में कुल 24.62% भौगोलिक क्षेत्र वनों और वृक्षों से भरा है। फॉरेस्ट्री में करियर बनाना वास्तव में एक प्रतिष्ठित काम है क्योंकि आप न केवल जैव विविधता की रक्षा कर रहे हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए फूड सिक्योरिटी भी प्रदान कर रहे हैं।

बेहतर सैलरी भी करता है प्रदान

निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों में फॉरेस्ट्री का करियर उपलब्ध है। वनों की कटाई, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन प्रभावों के कारण होने वाली प्राकृतिक आपदाओं में वृद्धि हो रही है जिसकी वजह से फॉरेस्ट्री में करियर की भी भारी मांग है। मांग के साथ-साथ यह अच्छी सैलरी भी प्रदान करता है।

डिजिटल मार्केटिंग में नहीं होगी नौकरियों की कमी, ग्रेजुएट युवा बना सकते हैं शानदार करिअर

नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए डिजिटल मार्केटिंग एक बहुत ही अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। भारत समेत पूरी दुनिया में अभी डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की काफी डिमांड है। आज बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों से लेकर हजारों छोटी बड़ी कंपनियां ऑनलाइन अपना व्यापार बढ़ाने के लिए बड़े संख्या में डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स को हायर कर रही हैं। देश विदेश में डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की बढ़ती हुई डिमांड को देखते हुए देश की जानी-मानी ऐडटेक कंपनी सफलता डॉट कॉम ने अब देश के युवाओं को डिजिटल मार्केटिंग में दक्ष बनाने के लिए एक खास कोर्स की शुरुआत की है।

डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की डिमांड हर साल 25 से 30 फीसदी की दर से बढ़ रही है। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए डिजिटल मार्केटिंग एक बहुत ही अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। अगर आप भी नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो सफलता के बेसिक डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की मदद ले सकते हैं।

आने वाले कई सालों तक नहीं होगी नौकरियों की कमी

भारत में 2025 तक इंटरनेट यूजर्स की संख्या 95 करोड़ से भी अधिक हो जाने की संभावना है। इंटरनेट यूजर्स की बढ़ती हुई संख्या से इस फील्ड में और भी कस्टमर तैयार होंगे। इससे डिजिटल मार्केटिंग की दुनिया और भी बढ़ेगी और भविष्य में इसमें रोजगार के और भी अवसर उत्पन्न होंगे। साथ ही डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की डिमांड हर साल 25 से 30 फीसदी की दर से बढ़ रही है। इसलिए यह उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले कई सालों तक इस फील्ड में नौकरियों की कमी नहीं होगी।

इस कोर्स में क्या है खास

- 50+ लाइव और रिकॉर्डेड क्लासेस
- गूगल सर्टिफाइड एक्सपीरिएंस्ड फैकल्टी
- पीडीएफ क्लास नोट्स
- रेज्यूम बिल्डिंग
- इंटरेक्टिव सेशन
- इंडस्ट्री एक्सपर्ट द्वारा मास्टर क्लास सेशन
- वीकली मॉक टेस्ट और असाइनमेंट्स

सफलता के साथ करें करियर प्लान

अगर आप भी 12वीं या ग्रेजुएशन कर चुके हैं लेकिन अपने करियर को लेकर तमाम तरह की चिंताओं से घिरे हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। देश की जानी-मानी ऐडटेक कंपनी सफलता ने युवाओं की मदद के लिए कई प्रोफेशनल और स्किल ओरिएंटेड शॉर्ट और लॉन्ग टर्म कोर्सेस की शुरुआत की है जहां से आप घर बैठे खुद को एक किसी फील्ड का प्रोफेशनल बना सकते हैं। यहां ग्राफिक डिजाइनिंग और डिजिटल मार्केटिंग के अलावा भी कई कोर्स मौजूद हैं। इतना ही नहीं सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए भी सफलता पर लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोर्सेज हैं। यहां से पढ़कर सैकड़ों युवाओं ने सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में शानदार नौकरियां हासिल की हैं। अगर आप भी प्राइवेट या सरकारी नौकरी की तलाश में हैं तो आप एक बार सफलता डॉट कॉम पर विजिट जरूर करें और अपनी पसंद के मुताबिक कोर्स में एडमिशन लीजिए जिसके बाद आपको सफलता की फैकल्टी ना केवल आपको प्रोफेशनल बनने के लिए तैयार करेगी बल्कि वो आपका सही करियर चुनने में मार्गदर्शन भी करेगी।

हायर एजुकेशन के लिए 10 लाख रुपये तक की मदद करती है ये स्कॉलरशिप

जे.एन. टाटा एंडोमेंट लोन स्कॉलरशिप भारतीय नागरिकों को हायर एजुकेशन के लिए प्रदान की जाने वाली एक स्कॉलरशिप है। हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले उम्मीदवार इस स्कॉलरशिप की मदद से अपना सपना पूरा कर सकते हैं। स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए उम्मीदवार www.jntataendowment.org पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

क्या है जे.एन. टाटा एंडोमेंट स्कॉलरशिप?

जे.एन. टाटा एंडोमेंट स्कॉलरशिप हायर एजुकेशन करने वाले भारतीय नागरिकों को प्रदान की जाती है। यह स्कॉलरशिप उन छात्रों को लोन प्रदान करती है जो विदेश में पोस्ट ग्रेजुएशन/पीएचडी/पोस्ट डॉक्टोरल/रिसर्च फेलोशिप की पढ़ाई के लिए एकेडमिक वर्ष के लिए अध्ययन कर रहे हैं। यह स्कॉलरशिप एक फंडिंग स्कॉलरशिप है जो लोन स्कॉलरशिप के रूप में काम करती है।

योग्यता

इस स्कॉलरशिप की योग्यता के अनुसार उम्मीदवार भारतीय होना चाहिए और उसकी उम्र 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए और कम से कम एक ग्रेजुएशन की डिग्री पूरी की हो या जो भारत में किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / कॉलेज / संस्थान में किसी भी ग्रेजुएशन कार्यक्रम के अंतिम वर्ष में हों। इसके साथ ही उम्मीदवार जो फर्स्ट ईयर के अंत में हैं और अपने विदेशी अध्ययन के दूसरे वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। यह तभी लागू होता है जब पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि 2 वर्ष हो और लोन स्कॉलरशिप प्रदान करने के समय पूरा करने के लिए कम से कम एक पूर्ण शैक्षणिक वर्ष शेष हो। उम्मीदवारों को अपने ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन अध्ययन में औसतन कम से कम 60त्न अंक प्राप्त करने चाहिए।

जे.एन. टाटा स्कॉलरशिप के लिए ये डॉक्यूमेंट है जरूरी

टाटा स्कॉलरशिप के लिए आवेदन करने से पहले छात्रों के पास कुछ जरूरी डॉक्यूमेंट होने चाहिए। जेएन टाटा एंडोमेंट लोन स्कॉलरशिप दस्तावेज़ जेएन टाटा एंडोमेंट स्कॉलरशिप चयन प्रक्रिया के दौरान आवश्यक हैं। छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करते समय एसओपी (उद्देश्य का विवरण) और एलओआर (सिफारिश पत्र) केवल आवश्यक दस्तावेज हैं। जेएन टाटा एंडोमेंट स्कॉलरशिप छात्रों को 1,00,000 रुपये और 10,00,000 रुपये के बीच स्कॉलरशिप के रूप में लोन मिलेगा। उम्मीदवार को अधिकतम रु. 7,50,000/- की ट्रेवल असिस्टेंस प्रदान की जाएगी और लोन स्कॉलरशिप में रु.50,000 ट्रेवल ग्रांट के रूप में दिया जा सकता है।

इन स्कॉलरशिप की मदद से कर सकते हैं विदेश में मुफ्त पढ़ाई

अगर आप भी विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं, तो अपनी पढ़ाई के लिए इस तरह फंड जोड़ सकते हैं। लेकिन यह कैसे पता चलेगा कि कौन-सी स्कॉलरशिप आपके लिए सही है? आप देखेंगे कि स्कॉलरशिप अलग-अलग तरह की हो सकती हैं और आपको इसमें काफी रिसर्च भी करनी पड़ सकती है। विदेश में अध्ययन करने का निर्णय लेने के बाद, आपको जरूरी फंडिंग इकट्ठी करनी पड़ती हैं जिसमें कॉलेज फीस, रहने का खर्च जैसी चीजें भी शामिल होती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं फंडिंग जोड़ने के लिए आप कई सारी स्कॉलरशिप अप्लाई कर सकते हैं, जो आपकी पढ़ाई में मदद करेंगी।

स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप

अगर आप केवल एक खेल का अभ्यास करना चाहते हैं और कॉलेज या विश्वविद्यालय की टीम के सदस्य बनना चाहते हैं, तो आप स्कॉलरशिप के लिए क्वालिफाइ कर सकते हैं। यह स्कॉलरशिप आपको कॉलेज/विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाती है। अच्छी खबर यह है कि जरूरी नहीं आप जिस खेल का अभ्यास करते हैं उसमें बहुत अच्छा हो। कभी-कभी लोकल ग्रुप या अलग-अलग ऑर्गनाइजेशन इन स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप की पेशकश कर सकते हैं और वे आमतौर पर स्पोर्ट्स क्राइटेरिया देख सकते हैं।

विश्वविद्यालयों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप

इस क्राइटेरिया द्वारा विश्वविद्यालय स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं- अकादमिक में अच्छे हों और स्टूडेंटों को एक निश्चित आयु सीमा (उदाहरण के लिए 35 वर्ष से कम आयु) का होना चाहिए। इसके अलावा, आप देखेंगे कि हर कॉलेज या यूनिवर्सिटी एक डिग्री लेवल के लिए विशेष स्कॉलरशिप प्रस्ताव देती हैं।

इस स्कॉलरशिप में ये सभी फंड दिए जाते हैं

- ट्यूशन फीस
- हर महीने का रहने का खर्च
- इकोनॉमी क्लास की फ्लाइट टिकेट
- आवश्यक खर्चों के लिए अतिरिक्त अनुदान और भत्ते

स्पेसिफिक स्कॉलरशिप

अधिकतर विशिष्ट यानि स्पेसिफिक स्कॉलरशिप एक निश्चित जातीय पृष्ठभूमि या पारिवारिक संबद्धता वाले स्टूडेंटों को दी जाती है। ये स्कॉलरशिप जातीय अल्पसंख्यकों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई है। कुछ देशों (बेल्जियम, फ्रांस, यू.एस. आदि) में, स्थानीय सरकार कुछ देशों से आने वाले स्टूडेंटों को स्कॉलरशिप प्रदान करती है। उदाहरण के लिए, बेल्जियम अफ्रीकी, दक्षिण अमेरिकी और एशियाई देशों से आने वाले उम्मीदवारों को विशेष स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं। ये कार्यक्रम अल्पसंख्यक स्टूडेंटों को उन क्षेत्रों में शिक्षा प्राप्त करने में मदद करने के लिए भी हैं, जिनमें उनका ऐतिहासिक रूप से कम प्रतिनिधित्व किया गया है। कुछ संगठन दिव्यांग, सीखने की अक्षमता और दुर्बल करने वाली स्वास्थ्य स्थितियों वाले स्टूडेंटों को स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं।

स्टूडेंट लोन

विदेश में पढ़ाई के लिए स्टूडेंट लोन वह राशि है, जिसे आपको वापस चुकाना होता है। वे कुछ अंतरों के साथ किसी भी अन्य लोन की तरह कार्य करते हैं। आप सरकार या निजी बैंक से स्टूडेंट लोन प्राप्त कर सकते हैं; यह आपके देश का एक बैंक या एक विदेशी बैंक हो सकता है, जिस देश में आप अपनी पढ़ाई करना चाहते हैं। निजी स्टूडेंट लोन के लिए सह-हस्ताक्षर (माता-पिता या कानूनी ट्यूटर के साथ) बहुत आम है क्योंकि अधिकांश स्टूडेंट के पास लोन लेने के लिए क्रेडिट इतिहास नहीं होता है। हालाँकि, आप सरकार से जो स्टूडेंट लोन प्राप्त कर सकते हैं, वे अधिक अनुकूल होते हैं क्योंकि दरें आमतौर पर कम होती हैं। कुछ लोन फाइनेंशियल जरूरतों पर आधारित होते हैं।

मेरिट-बेस्ड स्कॉलरशिप- फैलोशिप

योग्यता-आधारित स्कॉलरशिप कई क्राइटेरिया के आधार पर दी जाती है जिनमें हॉबी, टेलेंट, अचीवमेंट्स, अकादमी या करियर स्कोप शामिल हैं। ये स्कॉलरशिप संघीय और राज्य सरकार, बड़े निगमों, स्थानीय व्यवसायों, पेशेवर संगठनों या विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जा सकती हैं।

ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करना एक युग की शुरुआत होगा : द्रविड़

पेरिस। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच रहे राहुल द्रविड़ साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किए जाने को लेकर उत्साहित हैं। द्रविड़ ने कहा कि ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करना अभूतपूर्व उपलब्धि है। एक कार्यक्रम में उन्होंने इसे एक युग की शुरुआत बताया है। द्रविड़ ने ये भी कहा कि वह भी 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट के साथ किसी भी भूमिका में शामिल होना चाहेंगे। द्रविड़ ने ओलंपिक में क्रिकेट के शामिल होने पर कहा, मुझे हमेशा से लगता था कि क्रिकेट को इसका हिस्सा होना चाहिए। यह वास्तव में एक महान खेल है। दुनिया भर में बहुत से लोग इसे पसंद करते हैं। यह मेरे जैसे किसी व्यक्ति के लिए शानदार है जो अब केवल एक प्रशंसक है। यह वास्तव में अभूतपूर्व है। द्रविड़ ने पूर्व अमेरिकी ट्रैक एवं फील्ड एथलीट कार्ल लुईस को टेलीविजन पर पदक जीतते हुए देखने की अपनी यादें

ताजा की, जिनके नाम 9 ओलंपिक स्वर्ण पदक हैं। द्रविड़ ने अमेरिका में क्रिकेट के प्रति जुनून के बारे में भी बताया और कहा कि उन्हें ये देखकर खुशी हुई। द्रविड़ के साथ इस कार्यक्रम में आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस, ड्रीम स्पोर्ट्स के सीईओ और को-फाउंडर हर्ष जैन भी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम इंडिया हाउस पार्क ऑफ नेशंस में पार्क डे ला विलेट में हुआ। पेरिस ओलंपिक 2024 के दौरान ये पहली बार है जब इंडिया हाउस की शुरुआत हुई है। पेरिस खेलों में इंडिया हाउस दुनिया भर के प्रशंसकों, वैश्विक खेल जगत के प्रमुख हितधारकों, भारतीय यात्रियों, मीडिया और एथलीटों के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करता है।

2036 ओलंपिक भारत में ही होंगे : नीता अंबानी

मुम्बई। रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष व अंतर्राष्ट्रीय ओलिम्पिक समिति (आईओसी.) में एकमात्र भारतीय प्रतिनिधि नीता अंबानी ने कहा है कि भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी करेगा। नीता ने ओलंपिक में भारत के पहले कंट्री हाउस (इंडिया हाउस) का उद्घाटन भी किया था। उन्होंने कहा कि 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी भारत ही करेगा। नीता ने कहा कि ऐसा वहीं नहीं बल्कि 1.4 अरब भारतीय भी चाहते हैं। नीता के नेतृत्व में ही पेरिस ओलंपिक इतिहास में पहली बार भारत का कंट्री हाउस बना है। इंडिया हाउस, पेरिस ओलम्पिक में पहुंचे भारतीय खिलाड़ियों, समर्थकों व दर्शकों के लिए एक घर की तरह है। नीता का लक्ष्य भारत सहित दुनिया भर में ओलंपिक अभियान को आगे बढ़ाना है। आईओसी के सदस्य के तौर पर नीता युवा पीढ़ी और खेल जगत से जुड़े लोगों को प्रोत्साहित करते नजर आ रही हैं। नीता का खेल जगत में प्रोत्साहन, वैश्विक खेल क्षेत्र में भारत के बढ़ते प्रभाव को भी दिखाता है। नीता , भारती संस्कृति और छवि को पूरी दुनिया में आगे बढ़ाना चाहता है। उनकी ये पहल भारत को खेल जगत में एक नई दिशा में ले जा रही है। कॉर्पोरेट जगत से जुड़ी नामी हस्तियों के खेल जगत से जुड़ने से युवा खिलाड़ियों को लाभ हो रहा है।

पेरिस ओलंपिक : मनिका टेटे से अंतिम 16 में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी

पेरिस। भारत की मनिका बत्रा पेरिस ओलंपिक खेलों की टेबल टेनिस स्पर्धा के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। इसी के साथ ही मनिका ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है। वह टेबल टेनिस के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला एकल खिलाड़ी बन गयी हैं। मनिका ने अंतिम 32 मुकाबले में फ्रांस की 12वीं वरीयता प्राप्त प्रीथिका पवाडे को सीधे गेमों में हराया। 18वीं वरीयता प्राप्त मनिका ने आधे घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में आसानी से 11-9, 11-6, 11-9, 11-7 से जीत हासिल की। इसी के साथ ही वह ओलंपिक टेबल टेनिस के अंतिम-16 में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गयी हैं। मनिका का पहले गेम में मुकाबला करीबी रहा। मनिका ने अंतिम तीन अंक अपने नाम कर इसे 11-9 से जीता। वहीं दूसरे गेम की शुरुआत में भी मुकाबला काफी करीबी रहा पर 6-6 की बराबरी के बाद मनिका ने प्रीथिका को कोई अवसर नहीं दिया

और 11-6 से वह जीत गई। मनिका ने तीसरे गेम में भी लय जारी रखते हुए पांच अंक की बढ़त बनाई पर प्रीथिका ने लगातार चार अंक हासिल कर स्कोर को 9-10 कर दिया। प्रीथिका दबाव में गेंद को नेट पर खेल गयी और मनिका ने 11-9 से इस गेम को जीत लिया। मनिका ने चौके गेम में 6-2 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत को 10-4 में बदल कर छह मैच अंक हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब प्री प्री-क्वार्टर में मनिका का अगला मुकाबला हांगकांग की झू चेंगजू और जापान की मियू हिरानो के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

बोपन्ना ने ओलंपिक में हार के साथ ही खेल से संन्यास लिया

पेरिस। भारत के सबसे अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने ओलंपिक पुरुष युगल के पहले दौर में हार के बाद खेल से संन्यास की घोषणा कर दी। 43 साल के बोपन्ना और उनके जोड़ीदार श्रीराम बालाजी की जोड़ी को फ्रांसीसी जोड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। बोपन्ना ने कहा कि मैंने देश के लिए अपने करियर का अंतिम मैच खेल लिया है हालांकि मैं जीत के साथ अलविदा कहना चाहता था पर वैसा नहीं हो पाया। बोपन्ना और बालाजी को एडवर्ड रोजर वासेलिन और गेल मोनफिल्स की फ्रांसीसी जोड़ी ने 5-7, 2-6 से हराया था। इससे भारत के ओलंपिक पदक जीतने की उम्मीदें फिर टूट गयी। भारत की ओर से अंतिम बार पेस ने अटलांटा ओलंपिक के पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता था। उसके बाद से ही भारत अब तक कोई पदक नहीं जीत पाया है। बोपन्ना

साल 2016 में सानिया मिर्जा के साथ मिश्रित युगल में पदक के करीब पहुंचे थे पर यहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।बोपन्ना ने कहा कि वह 2026 एशियाई खेलों में शामिल नहीं होंगे और कहा कि ओलंपिक के साथ ही मैंने रिटायरमेंट ले लिया है। ये मेरा आखिरी टूर्नामेंट था। मैं पूरी तरह से समझता हूं कि मैं किस स्थिति में हूं। मैं अब जब खेल सकूंगा तब टेनिस का आनंद उठाउंगा। उन्होंने पहले ही डेविस कप से संन्यास की घोषणा कर दी थी। साथ ही कहा कि मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं दो दशकों तक भारत की ओर से खेलूंगा। मैंने 2002 में करियर की शुरुआत की थी और 22 साल बाद भी भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला ये मेरे लिए गर्व की बात है।

व्यापार

बजाज फ्रीडम 125 को मिल रहा जबर्दस्त रिस्पांस

- इस सीएनजी बाइक को मिली 6,000 से ज्यादा बुकिंग

नई दिल्ली। बजाज फ्रीडम 125 सीएनजी बाइक को शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस बाइक को लगभग 6,000 से ज्यादा बुकिंग मिल चुकी हैं। ग्राहक बजाज फ्रीडम 125 सीएनजी को मात्र 1,000 रुपये की टोकन राशि देकर बुक कर सकते हैं। बजाज फ्रीडम 125 में 125 सीसी इंजन दिया गया है। ये इंजन 9.5 पीएस की पावर और 9.7 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। इस बाइक में सीएनजी से पेट्रोल और पेट्रोल से सीएनजी पर शिफ्ट होने के लिए स्विच दिया गया है। इसमें 2 किलो का सीएनजी टैंक और 2 लीटर का पेट्रोल टैंक दिया गया है। कंपनी का दावा है कि यह सीएनजी बाइक 330 किलोमीटर का ड्राइविंग रेंज देगी। इस बाइक में टैंक, राउंड हेडलाइट, हैंडलबार ब्रेसेस, नॉकल गार्ड, फ्रंट डिस्क ब्रेक, ग्राउंड क्लियरेंस

और एडवेंचर स्टाइल दिया गया है। इसमें एक बड़ा साइड पैन, स्टाइलिश बैली पैन, 5-स्पोक एलॉय व्हील्स, पिलियन के लिए मजबूत ग्रैब रेल, रिब्ड सीट, टेलीस्कोपिक फ्रंट फॉर्क्स, रियर मोनो-शॉक सेटअप और टायर हगर दिया गया है। बता दें कि यह सीएनजी बाइक 5 जुलाई को भारत में लॉन्च हुई थी। इस बाइक की शुरुआती कीमत 95,000 रुपये एक्स शोरूम है।

देश में बिजली उत्पादन क्षमता 10 साल में 80 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश में कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता पिछले 10 साल में करीब 80 प्रतिशत बढ़कर जून 2024 तक 4,46,190 मेगावाट हो गई। बिजली राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मार्च 2014 में स्थापित क्षमता 2,48,554 मेगावाट थी, जो जून, 2024 तक बढ़कर 4,46,190 मेगावाट हो गई। कोयला आधारित बिजली की स्थापित क्षमता मार्च 2014 में 1,39,663 मेगावाट थी। इस साल जून में बढ़कर 2,10,969 मेगावाट हो गई। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की स्थापित क्षमता मार्च 2014 में 75,519 मेगावाट थी जो जून 2024 में 1,95,013 मेगावाट हो गई। मंत्री ने कहा कि भारत का ग्रिड दुनिया के सबसे बड़े एकीकृत ग्रिड में से एक के रूप में उभरा है और पूरे देश को एक ग्रिड में जोड़ने से देश एक एकीकृत बिजली बाजार में बदल गया है।

सोना बढ़कर 68,738 रुपए, चांदी 81,523 रुपए

नई दिल्ली। सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। मंगलवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के वायदा भाव 0.16 फीसदी की तेजी के साथ 68,738 रुपए प्रति 10 ग्राम, जबकि चांदी का वायदा भाव 0.29 फीसदी की बढ़त के साथ 81,523 रुपए प्रति किलो पर कारोबार कर रहा था। सोमवार को एमसीएक्स पर सोने के भाव 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ 68565 पर और चांदी की कीमत 0.11 फीसदी गिरकर 81200 पर बंद हुई थी। सोने के वायदा भाव ने इस महीने 74,471 रुपए के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपए के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। आभूषण विक्रेताओं की कमजोर मांग के चलते दिल्ली

सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 950 रुपए की गिरावट के साथ 71,050 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। चांदी का भाव भी 4,500 रुपए औंधे मुंह लुढ़ककर 84,500 रुपए प्रति किलोग्राम रह गया। यह 2024 में चांदी की कीमतों में किसी एक कारोबारी दिन में आई सबसे बड़ी गिरावट है। पिछले सत्र में यह 89,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। सिक्का निर्माताओं और औद्योगिक इकाइयों के कमजोर उठान के कारण चांदी में गिरावट आई। कारोबारियों ने कहा कि बाजार में आभूषण विक्रेताओं के साथ-साथ खुदरा लिवालों की मांग घटने से सोने की कीमतों में गिरावट आई।

रुपया डॉलर के मुकाबले 83.73 पर स्थिर

मुंबई। विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत रुख के बीच रुपया मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.73 पर स्थिर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.73 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद उसने 83.73 से 83.74 प्रति डॉलर के बीच कारोबार किया। रुपया सुबह शुरुआत में 83.73 प्रति डॉलर पर स्थिर कारोबार कर रहा था। इस दौरान छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.60 पर रहा।

सेबी भेदिया कारोबार नियम एक नवंबर से लागू करेगा

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी संपत्ति प्रबंधन कंपनियों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए भेदिया कारोबार नियम एक नवंबर से लागू करेगा। इसके लिए अधिसूचना जारी की गयी है। एक अधकारी ने कहा कि सेबी ने मूल्य से संबद्ध अप्रकाशित संवेदनशील जानकारी तक पहुंच रखने वाले कर्मचारियों को नामित व्यक्तियों के रूप में चिन्हित किये जाने को अनिवार्य किया है। इसके जरिये सेबी भेदिया कारोबार को लेकर व्यवस्था का चाक-चौबंद बना रहा है। उन्होंने कहा कि संवेदनशील जानकारी की गोपनीयता बनाये रखने और इसका लाभ उठाने को लेकर पर्याप्त प्रतिबंध लगाने पर जोर भेदिया कारोबार को रोकने के लिए सेबी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सेबी की एक अधिसूचना के अनुसार भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (भेदिया कारोबार निषेध) (संशोधित) नियमन, 2022 एक नवंबर, 2024 से अमल में आएगा। निदेशक मंडल ने इसकी मंजूरी दी है।

किसबातसेपरेशानहैं

परिणिती चोपड़ा

शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट, बोलीं- दूसरों के लिए जीना...

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. अपनी पोस्ट से अक्सर लोगों के दिल छू जाने वालीं परिणीति ने हाल ही में एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है. इस पोस्ट को देखने के बाद से लगातार फैंस कयास लगा रहे हैं कि शादी के 10 महीने कही उनकी शादी में कुछ दिक्कत तो नहीं आ गई. पिछले साल 24 सिंतबर को ही परिणीति चोपड़ा, आप सांसद राघव चड्ढा के साथ शादी के बंधन में बंधी थीं.

परिणीति चोपड़ा ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह उदास मन के साथ नाव में बैठी हैं. उनके चेहरे से साफ नजर आ रहा कि वह किसी बात से परेशान हैं. एक्ट्रेस ने अपने नो मेकअप वाले इस वीडियो के साथ एक लंबा पोस्ट भी लिखा है, जिसमें वह खुद की खुशी के लिए जीने की बात कर रही हैं.

परिणीति ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

परिणीति ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, 'इस महीने, मैंने कुछ समय रुककर जीवन पर विचार किया और इसने मेरे विश्वास को दोहराया है. मानसिकता ही सब कुछ हैज् महत्वहीन चीजों (या लोगों) को महत्व न दें. एक भी सेकंड बर्बाद मत करो. जिंदगी एक टिक-टिक करती घड़ी है. हर पल आपकी पसंद होना चाहिएज्कृपया दूसरों के लिए जीना बंद करें!'

जिंदगी वैसे जियो जैसे तुम चाहते हो'

उन्होंने आगे लिखा- 'अपने ट्राइब का पता लगाएं और जहरीले लोगों को अपने जीवन से बाहर निकालने से न डरें. दुनिया क्या सोचेगी इसकी परवाह करना बंद करो. परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया करने का अपना तरीका बदलें. जीवन सीमित है. यह अब हो रहा है. इसे वैसे जियो जैसे तुम इसे जीना चाहते हो.'

पोस्ट देख फैंस परेशान

शादी के ठीक 10 महीने बाद परिणीति का ये पोस्ट देखने के बाद से उनके फैंस परेशान हैं. कई यूजर्स तो इस पोस्ट को करने का कारण पूछ रहे हैं. एक यूजर ने लिखा- 'क्या यह पोस्ट किसी के लिए है?', दूसरे ने लिखा, 'बहुत बढ़िया कहाज्ऐसा लगता है जैसे हम सभी को समान परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है. हमें ऐसे लोगों पर एक पल भी बर्बाद नहीं करना चाहिए.' एक अन्य यूजर ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा, 'मुझे आशा है कि आप ठीक हैं. हम हमेशा आपके लिए मौजूद हैं.' एक अन्य ने फैन ने लिखा- 'क्या आप शादी के बाद से परेशान हैं?'

बॉबी देओल-आलिया भट्ट के बीच खून-खराबा से भरपूर होगा एक्शन, टाइट सिक्योरिटी के बीच चल रही अल्फ की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट इन दिनों अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'अल्फा' की शूटिंग में बिजी हैं. हर कोई इस स्पाई यूनिवर्स फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहा है. 'अल्फा' में आलिया भट्ट का एक्शन अवतार भी देखने को मिलेगा. अब फिल्म को लेकर लेटेस्ट अपडेट सामने आया है. आलिया भट्ट इन दिनों बॉबी देओल के साथ मुंबई में 'अल्फा' फिल्म के लिए एक धमाकेदार एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग कर रही हैं.आईएएनएस की रिपोर्ट के अनुसार, आलिया भट्ट और बॉबी देओल इस समय मुंबई में हैं, जहां वे फिल्म सिटी में तगड़ी सुरक्षा के बीच एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग कर रहे हैं. सोर्स ने बताया कि यह एक जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस होगा, जिसे आप ब्रूटल कह सकते हैं. इस सीन में आलिया और बॉबी देओल धमाकेदार फाइट करते हुए नजर आएंगे. जो इसमें खूब-खराबे से भरपूर होगा.

फिल्म सेट पर तैनात हैं 100 सिक्योरिटी गार्ड

सोर्स ने आगे बताया कि शूटिंग लोकेशन पर कड़ी सुरक्षा की व्यवस्था की गई है. यह फिल्म के जरूरी सीन्स में से एक है. सेट पर भारी सुरक्षा का इंतजाम किया गया है, जहां कोई भी एंटर नहीं कर सकता है. सेट पर करीब 100 गार्ड्स को तैनात किया गया है.

स्पाई यूनिवर्स की हिस्सा बनीं आलिया भट्ट

आलिया भट्ट की स्पाई यूनिवर्स 'अल्फा' टाइटल का ऐलान इस महीने की शुरुआत में किया गया था. एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर करते हुए फैंस को जानकरी दी थी कि उनकी फिल्म 'अल्फा' की शूटिंग शुरू हो गई है. वीडियो क्लिप में अल्फा लिखा हुआ आता है और फिर आलिया भट्ट की आवाज सुनाई देती है. वह कहती हैं कि, 'ग्रीक अल्फाबेट का सबसे पहला अक्षर और हमारे प्रोग्राम का मोटो. सबसे पहले, सबसे तेज, सबसे वीर, ध्यान से देखे तो हर शहर में एक जंगल है और हर जंगल में राज करेगा एक अल्फा.'

फराह खान के सिर से हटा मां का साया, मेनका ईरानी का निधन

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री से एक बेहद ही दुखद खबर सामने आई है. मशहूर फिल्ममेकर फराह खान और साजिद खान की मां मेनका ईरानी इस दुनिया में नहीं रहीं. 79 साल के उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है. काफी लंबे समय से उनकी तबीयत कुछ ठीक नहीं चल रही थी. हाल ही में उन्हें मुंबई के एक अस्पताल में एडमिट कराया गया था. हालांकि, अस्पताल में उनका निधन हो गया.रिपोर्ट्स की मानें तो इससे पहले भी एक दफा उन्हें नानावटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था. हालांकि, फिर तबीयत ठीक होने पर उन्हें वहां से डिस्चार्ज कर दिया गया था और वो अपने घर आ गई थीं. हालांकि, फिर अचानक से उनकी तबीयत बिगड़ी. जिसके बाद अब ये दुखद खबर सामने आई है.

हाल ही में मनाया था 79वां बर्थडे

कुछ समय पहले ही उनका 79वां जन्मदिन था. मां के बर्थडे पर फराह खान ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की थीं और मां के नाम एक इमोशनल पोस्ट भी लिखा था. फराह लिखा था, पिछले ही महीने पता चला कि मैं अपनी मां मेनका से कितना प्यार करती हूं. उनके जैसा बहादुर और मजबूत इंसान मैंने नहीं देखा. कई बार सर्जरी होने के बाद उनका सेंस ऑफ ह्यूमर कमाल का है. मां को बर्थडे विश करते हुए फराह ने आगे लिखा था, हैप्पी बर्थडे मॉम. आज तुम्हारे घर वापस आने का सबसे अच्छा दिन है.

मां को बर्थडे विश करते हुए फराह ने आगे लिखा था, हैप्पी बर्थडे मॉम. आज तुम्हारे घर वापस आने का सबसे अच्छा दिन है. फराह ने ये पोस्ट 12 जुलाई को किया था. वहीं अब उसके 14 दिन बाद ही फराह के सिर से मां का साया हट गया. मेनका ईरानी का जावेद अख्तर से भी खास रिश्ता था. जावेद अख्तर की पहली पत्नी हनी ईरानी और मेनका दोनों बहन थीं.मां के बर्थडे पर साजिद खान का भी पोस्ट सामने आया था. उन्होंने एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें साजि-फराह दोनों मां के साथ दिख रहे थे. साजिद ने लिखा था. साजिद ने लिखा था, हैप्पी बर्थडे मम्मी.

एक ही फिल्म में किया था काम

मेनका ईरानी ने अपने करियर में एक ही फिल्म में काम किया था. साल 1963 में 'बचपन' के नाम से एक फिल्म आई थी, जिसमें सलमान खान के पिता सलीम खान, बुधो आडवाणी, जीवन धर जैसे एक्टर्स नजर आए थे. मेनका भी इस फिल्म का हिस्सा थीं. हालांकि, ये फिल्म चल नहीं पाई थी. इसके बाद उन्होंने किसी भी पिक्चर में काम नहीं किया.

जैसे ही फराह की मां के निधन की खबर सामने आई, उसके बाद इस दुख की घड़ी में साथ देने बॉलीवुड सितारे उनके घर पर पहुंचने लगे. एक वीडियो सामने आया है, जिसमें सलमान के पिता सलीम खान नजर आ रहे हैं. ये वीडियो फराह के घर के बाहर है. फरदीन खान, मनीष पॉल भी फराह के घर पर पहुंचे हैं.

सालमें4फिल्मेंकरतेहैं

अक्षय कुमार

पर ट्रोल्स ने मारा ताना, अब एक्टर ने कसा तंज, बोले- बेटा, याद रखना...

अक्षय कुमार बॉलीवुड के उन स्टार्स में से हैं, जो साल में एक बाद एक 4 फिल्में करते हैं. लेकिन पिछले 2 सालों उनकी एक भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर पा रही हैं. 'बच्चन पांडे', 'सम्राट पृथ्वीराज', 'रक्षा बंधन', 'कटपुतली', 'राम सेतु', 'सेल्फी', 'मिशन रानीगंज', 'बड़े मियां छोटे मियां' जैसी कई फ्लॉप फिल्में देने के हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'सरफिरा' भी लोगों को लुभा नहीं पा रही हैं. लगातार एक के बाद एक फिल्में फ्लॉप होने के बाद सोशल मीडिया पर लोग एक्टर को एक साथ इतनी सारी फिल्में करने को लेकर उन पर कटाक्ष कर रहे हैं. ट्रोल्स पर अब खिलाड़ी कुमार ने तंज कसा है.अक्षय कुमार के करियर के लिए ये कठिन समय है. फिल्मों में काम मिल रहा है लेकिन वो फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर पा रही हैं. ट्रोल्स उनके साल में 4 से 5 फिल्में करने पर सवाल उठा रहे हैं. वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि एक साथ झोली भरकर फिल्में करने के बजाय उन्हें एक ही फिल्म पर ध्यान देना चाहिए. ट्रोल्स के तानों के बाद अब खिलाड़ी कुमार ने अपने अंदाज में ट्रोल्स को खरी-खरी सुनाई है.

ट्रोल्स को कैसे दिया जवाब

घज़ल अलघ (Ghazal Alagh) के साथ एक बातचीत में अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर होने वाली आलोचनाओं का जवाब दिया. उन्होंने कहा, 'मेरे लिए कहा जाता है ये चार फिल्म क्यों करता है साल मेंज् इसको एक फिल्म करनी चाहिएज् चलो मैं एक पिक्चर कर लेता हूं बाकी दिन क्या करूंगा? तेरे घर में आऊं? बेटा, याद रखना भाग्यशाली होते हैं वो लोग जिन्हें काम मिलता है. यहां रोज कोई ना कोई बोलता है बेरोजगारी चल रही है. ये चल रहा है, वो चल रहा हैज्जिसको काम मिल रहा है उसको तो करने दो.'

सालों किया इंडस्ट्री पर राज

सालों तक अक्षय कुमार लगातार हिट फिल्मों के साथ बॉक्स ऑफिस पर छाए रहे. हालांकि, वह इस समय मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, उनकी हाल की कई फिल्में खराब प्रदर्शन कर रही हैं.

फ्लॉप फिल्मों से ली सीख

फोर्ब्स इंडिया के साथ एक पुराने इंटरव्यू में, उन्होंने अपनी हालिया फ्लॉप फिल्मों और असफलता से सीखे गए सबक पर अपनी बात की थी. उन्होंने कहा था कि हर फिल्म के पीछे बहुत सारा खून, पसीना और जुनून होता है. किसी भी फिल्म को असफल होते देखना दिल तोड़ने वाला होता है. लेकिन आपको उम्मीद की किरण देखना सीखना होगा. हर असफलता आपको सफलता का मूल्य सिखाती है और उसके प्रति भूख को और भी बढ़ा देती है. सौभाग्य से, मैंने अपने करियर की शुरुआत में ही इससे निपटना सीख लिया था.'

असफल होने से दुख होता है लेकिन...

एक्टर ने कहा था, 'बेशक, यह आपको दुख पहुंचाता है और प्रभावित करता है, लेकिन इससे फिल्म की किस्मत नहीं बदलेगी.